मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 337
मंगलवार, 01 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र के लिए अनुकूल नहीं: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, 30 जून। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने देश के मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य पर चिंता जताते हुए सोमवार को कहा कि आज का राजनीतिक माहौल भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है। जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में राजस्थान प्रगतिशील मंच द्वारा आयोजित स्नेह मिलन समारोह में धनखड़ ने कहा कि आज राजनीतिक आदान-प्रदान की तीव्रता और लहजा देश के लोकतांत्रिक और सामाजिक ताने-बाने के लिए हानिकारक है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि वह दबाव में नहीं आते और न ही किसी पर दबाव डालते हैं। उन्होंने कहा, आज की राजनीति का माहौल और तापमान न तो हमारे लोकतंत्र के लिए उपयुक्त है और न ही हमारे प्राचीन सभ्यतागत मूल्यों के अनुरूप है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी दुश्मन नहीं होते। सीमा पार दुश्मन हो सकते हैं, लेकिन देश के भीतर कोई दुश्मन नहीं होना चाहिए।

उन्होंने विधायी आचरण में अधिक शालीनता का आह्वान किया तथा आगाह किया कि सदन के अंदर जनप्रतिनिधियों के आचरण के चलते जनता में असंतोष पैदा होने से लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास खत्म हो सकता है। उन्होंने कहा, लोकतंत्र के मंदिरों में जो कुछ हो रहा है, उसे देखना चिंताजनक है। यदि इन संस्थाओं की गरिमा से समझौता किया गया, तो लोग विकल्प तलाशेंगे। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि पूर्व सांसद, विधायक सार्वजनिक संवाद की गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। धनखड़ ने कहा कि संवैधानिक अधिकारियों की अक्सर आलोचना की जाती है, खासकर तब जब राज्य और केंद्र सरकारें अलग-अलग राजनीतिक दलों से संबंधित हों। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे राज्य में राज्यपाल आसानी से निशाना बन जाते हैं। उन्होंने कहा, अब तो उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को भी नहीं छोड़ा जा रहा।

मेरे विचार में यह उचित नहीं है। धनखड़ ने कहा कि उन्होंने न तो किसी दबाव में काम किया और न ही उन पर कोई दबाव डाला गया। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी तटस्थ रहते हैं।

धनखड़ ने कहा, उन पर दबाव नहीं डाला जा सकता। मैंने उनके साथ काम किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि विपक्ष लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, न कि कोई विरोधी।

वित्तीय स्थिरता वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण, वैश्विक आर्थिक बदलाव से बढ़ती हैं चुनौतियां: आरबीआई गवर्नर

मुंबई, 30 जून। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर संजय मल्होत्रा ने सोमवार को कहा कि मूल्य स्थिरता की तरह वित्तीय स्थिरता भी आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव नीतिगत हस्तक्षेप को चुनौतीपूर्ण बना रहे हैं।

उन्होंने जून के लिए वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) की प्रस्तावना में कहा, वित्तीय क्षेत्र के नियामक ग्राहकों की सुरक्षा, प्रतिस्पर्धा और नवोन्मेषण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वे दक्षता और वृद्धि में सुधार तथा सुरक्षा और मजबूती के बीच सही संतुलन बनाते हैं। गवर्नर के अनुसार, कई संरचनात्मक बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया रूप दे रहे हैं। इसमें व्यापार में बढ़ता विखंडन, प्रौद्योगिकी बदलाव, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, ये आर्थिक आकलन को कठिन और नीतिगत हस्तक्षेप को चुनौतीपूर्ण बनाते हैं। इसलिए, अनिश्चितता के कोहरे से बाहर निकलने के दौरान भी केंद्रीय बैंकों और वित्तीय क्षेत्र के विनियामकों के लिए अपनी अर्थव्यवस्थाओं और वित्तीय प्रणालियों की सुरक्षा में सतर्क, विवेकपूर्ण और चुस्त बने रहना जरूरी है। मल्होत्रा ने कहा कि वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में केंद्रीय बैंक की कोशिश एक अच्छी तरह से काम करने वाली वित्तीय प्रणाली विकसित करने की है, जो न केवल व्यापक आर्थिक स्थिरता को बढ़ावा दे, बल्कि कुशलतापूर्वक वित्तीय सेवाएं भी प्रदान करे।

भगदड़ रोकने के लिए भीड़ प्रबंधन प्रोटोकॉल तय किया जाए: रणदीप सुरजेवाला

नई दिल्ली, 30 जून। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने सोमवार को कहा कि पुरी रथ यात्रा में भगदड़ में जानमाल के नुकसान के लिए जवाबदेही तय की जाए और भीड़ प्रबंधन के वास्ते देशव्यापी मानक प्रोटोकॉल तय करने और राज्यों द्वारा भीड़ सुरक्षा कार्य बल की स्थापना करने जैसे कदम उठाए जाएं।

सुरजेवाला ने दावा किया कि इस घटना से ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार की कुछ अक्षम्य विफलताएं सामने आती हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, ओडिशा सरकार पर्याप्त पुलिस या सुरक्षा व्यवस्था करने में विफल रही। एम्बुलेंस को एक किलोमीटर दूर खड़ा किया गया था। कोई स्ट्रेचर उपलब्ध नहीं था और घायलों को हाथों में उठाकर ले जाना पड़ा। भगवान जगन्नाथ के रथ से पहले दो ट्रक को आने की अनुमति दी गई थी। परिणामस्वरूप, कई भक्त चपेट में आ गए और गिर गए। सुरजेवाला ने कहा, व्यवस्थाएं गड़बड़ी की कहानी बताती हैं, वीआईपी प्रवेश एक प्रमुख कारक है, सुरक्षा प्रोटोकॉल की कमी और राजनीतिक एवं प्रशासनिक नेतृत्व की विफलता है। सरल सवाल यह है कि क्या हम गलतियों से सीख रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरी के मामले में जवाबदेही तय की जाए और भीड़ प्रबंधन के लिए देशव्यापी मानक प्रोटोकॉल तय करने और राज्यों द्वारा भीड़ सुरक्षा कार्य बल की स्थापना करने जैसे कदम उठाए जाएं। ओडिशा के पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के पास रविवार को मची भगदड़ में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और लगभग 50 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना तड़के लगभग चार बजकर 20 मिनट पर हुई, जब हजारों श्रद्धालु रथ यात्रा उत्सव देखने के लिए मंदिर के पास एकत्र हुए थे।

पशुपालन के बिना खेती लाभ का धंधा नहीं बन सकती: शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, 30 जून। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को कहा कि पशुपालन अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके बिना खेती लाभ का धंधा नहीं बन सकती। यहां भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के 11वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में चौहान ने उपाधिधारकों का आह्वान करते हुए कहा, पशुपालन के बिना खेती लाभकारी नहीं हो सकती है, इसलिए यह आज भी महत्वपूर्ण है तथा आगे और भी काम करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शक्तिशाली, विकसित भारत का महाअभियान चल रहा है, जिसमें पशुपालन का बड़ा योगदान है। चौहान ने विद्यार्थियों के लिए भांजे-भांजियों के संबोधन से अपनी बात शुरू करते हुए कहा कि सौभाग्य से हमारे बीच पधारीं भारत की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू में ज्ञान, भक्ति और कर्म तीनों का संगम दिखाई देता है। उन्होंने राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने उपाधिधारकों को लक्ष्य करते हुए कहा कि यह समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का नहीं है, डिग्री प्राप्त करने के बाद आपके कंधों पर नया उत्तरदायित्व आया है, आपकी ये उपाधि देश की सेवा के लिए है। चौहान ने कहा, अपने लिए कीट पतंगे, पशु-पक्षी भी जीते हैं, लेकिन अपने लिए जिए तो क्या जिए, जिएं तो देश के लिए जिएं। केन्द्रीय मंत्री ने उपाधिधारकों से कहा कि यह उपाधि केवल आपके लिए नहीं है, यह देश के विकास को नया आयाम देने के लिए है। चौहान ने कहा कि आपका अनुसंधान केवल पेपर लिखने के लिए नहीं है, आपके अनुसंधान का लाभ किसान और पशुपालकों को मिलना चाहिए। हमें खुशी है कि कई वैज्ञानिक निकले और किसानों को इसका लाभ मिला। उन्होंने कहा, आप नये उत्तरदायित्व के साथ मैदान में उतरिए। ज्ञान देने में समाज बहुत खर्च करता है, इसलिए उनके रिटर्न देने के लिए आप प्रयास करिए।

आंध्र प्रदेश में लॉरी, मिनी ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत

आंध्र प्रदेश। आंध्र प्रदेश के अन्नामाया जिला स्थित कुरबल कोटा में सोमवार तड़के एक लॉरी और मिनी ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य लोग घायल हो गए। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि हादसे में मारे गए लोग 14 लोगों के एक समूह का हिस्सा थे जो एक मिनी ट्रक में कर्नाटक के तिरुमाला से बगपल्ली लौट रहे थे, तभी गलत दिशा से आ रही लॉरी (कंटेनर ट्रक) कदिरी-मदनपल्ली राजमार्ग पर मिनी ट्रक से टकरा गई। मदनपल्ली के उपाधीक्षक (डीएसपी) महेंद्र ने बताया, वे तड़के तीन बजे से साढ़े तीन बजे के बीच तिरुमाला से रवाना हुए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

नई दिल्ली, 30 जून। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बिहार के बोधगया में ऐतिहासिक महाबोधि महावीर मंदिर का नियंत्रण और प्रबंधन बौद्ध समुदाय को सौंपने के लिए केंद्र और बिहार सरकार को निर्देश देने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की अवकाश पीठ ने याचिकाकर्ता को पटना उच्च न्यायालय जाने की स्वतंत्रता दी। पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष दायर याचिका विचारणीय नहीं है। हम यह कैसे करेंगे? यह अनुच्छेद 32 के तहत बनाए रखने योग्य नहीं है। हम परमादेश कैसे जारी कर सकते हैं? सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कृपया उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएं। हम इस पर विचार नहीं करते। खारिज। उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने की स्वतंत्रता दी गई, अदालत ने याचिका को खारिज करते हुए आदेश दिया। याचिका सुलेखाताई नलिनिताई नारायणराव कुंभारे द्वारा दायर की गई थी, जिन्होंने सर्वोच्च न्यायालय से बोधगया मंदिर अधिनियम, 1949 में संशोधन करने का निर्देश देने का आग्रह किया था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महाबोधि मंदिर का नियंत्रण और प्रबंधन बौद्ध समुदाय को उनके धार्मिक विश्वास और सांस्कृतिक अधिकारों को ध्यान में रखते हुए सौंपा जाए। महाबोधि मंदिर - एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और बौद्ध धर्म के सबसे पवित्र स्थलों में से एक - 1949 अधिनियम के तहत प्रशासित है, जो बिहार सरकार की देखरेख में एक प्रबंधन समिति को नियंत्रण सौंपता है, जिसमें हिंदुओं और बौद्धों दोनों का प्रतिनिधित्व होता है। याचिका में कहा गया है कि वर्तमान शासन संरचना बौद्धों के धार्मिक अधिकारों को कमजोर करती है और मंदिर पर विशेष बौद्ध नियंत्रण की मांग करती है, जिसमें जोर दिया गया है कि यह स्थल वैश्विक बौद्ध समुदाय के लिए गहन आध्यात्मिक महत्व रखता है।

तेलंगाना में बीजेपी को झटका, विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी से दिया इस्तीफा

तेलंगाना। भाजपा को झटका देते हुए तेलंगाना के गोशामहल से विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी के राज्य नेतृत्व के लिए चल रही खींचतान पर नाराजगी जताते हुए राज्य भाजपा प्रमुख जी किशन रेड्डी को अपना इस्तीफा भेजा। अपने पत्र में राजा सिंह ने स्पष्ट किया कि भले ही वह भाजपा से अलग हो रहे हैं, लेकिन हिंदुत्व विचारधारा और धर्म की सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है। उन्होंने कहा कि मैं अपनी आवाज उठाता रहूंगा और हिंदू समुदाय के साथ और भी अधिक मजबूती से खड़ा रहूंगा। इससे पहले राजा सिंह ने भाजपा नेतृत्व से उन्हें पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त करने की अपील की थी। राजा सिंह ने एक वीडियो में कहा कि पार्टी के कई कार्यकर्ता उन्हें फोन कर रहे हैं और उन्हें अध्यक्ष पद पर देखने की इच्छा जता रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वह इस पद पर काम करने के लिए पार्टी हाईकमान से अवसर मांग रहे हैं।

पंजाब पुलिस की रेड में 300 करोड़ की हेरोइन जब्त

पंजाब। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी पर नकेल कसने के लिए एक बड़े अभियान में भारी मात्रा में ड्रग्स जब्त की। राजस्थान के बाड़मेर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास लगभग 300 करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 60.302 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। यह अभियान अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और राजस्थान पुलिस के साथ मिलकर चलाया गया। पुलिस के अनुसार, यह खेप पाकिस्तान स्थित तस्कर तनवीर शाह और कनाडा स्थित हैंडलर जोबन कलेर से जुड़ी हुई थी।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

रोगी के लिये स्वस्थ जीवन की मुस्कान देते हैं डॉक्टर्स

-ललित गर्ग

राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस-1 जुलाई, 2025

स्वस्थ जीवन हर किसी का सर्वोच्च जीवन प्राथमिकता होता है। कहा भी गया है कि, सेहत सबसे बड़ी पूंजी है। स्वस्थ व्यक्ति ही जीवन को सही तरह से एन्जॉय करते हुए उसे सफल एवं सार्थक बना सकता है और इसमें डॉक्टर्स की भूमिका बहुत अहम होती है। छोटी-बड़ी हर तरह की बीमारियों को डॉक्टर्स की मदद से ठीक किया जा सकता है। शायद इसलिए ही इन्हें भगवान का दर्जा मिला हुआ है। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस प्रसिद्ध डॉक्टर और बंगाल के दूसरे मुख्यमंत्री डॉ. बिधानचंद्र राय के सम्मान में मनाया जाता है। वैसे तो दुनियाभर के अलग-अलग देशों में डॉक्टर्स डे को अलग-अलग दिन मनाया जाता है, लेकिन भारत में इस दिन को 1 जुलाई को इसलिये मनाया जाता है क्योंकि 1 जुलाई 1882 में भारत के प्रसिद्ध फिजीशियन डॉ. राय का जन्म हुआ था और उनका निधन भी 1 जुलाई को ही साल 1962 में हुआ था। चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान का सम्मान देने के मकसद से डॉक्टर्स डे मनाने की शुरूआत की गई थी। यह दिन उन डॉक्टरों को समर्पित होता है जो हमारी सेहत का ध्यान रखते हुए हमें नया जीवनदान देते हैं। साथ ही हमें बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। हल्का सा भी हम अगर बीमार पड़ते हैं तो तुरंत ही डॉक्टर के पास भागते हैं।

2025 की थीम है ह्यमास्क के पीछे: देखभाल करने वालों की देखभालह्ल उन लोगों की देखभाल की आवश्यकता को उजागर करती है जो हमारी देखभाल करते हैं। यह थीम इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित करती है कि दूसरों की सेवा करते समय, डॉक्टर अक्सर अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की उपेक्षा करते हैं। इस थीम का उद्देश्य बेहतर कार्य परिस्थितियां, मानसिक स्वास्थ्य सहायता और समाज से उनके लिए उचित सम्मान सुनिश्चित करना है। बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश में डॉक्टर्स द्वारा किए गए अद्भुत कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं। एक डॉक्टर मरीज को स्वस्थ करते हुए आशा नहीं खोता-वह हर चुनौती का जोरदार मुस्कान के साथ सामना करता है, चाहे परेशानी एवं बीमारी कितनी भी गंभीर क्यों न हो।

वास्तव में डॉक्टर्स की निःस्वार्थता एवं सेवाभावना उन्हें रोगियों के लिए स्वर्गदूत बनाती है, एक फरिश्ते के रूप में वे जीवन का आश्वासन बनते हैं और उनका बलिदान-योगदान उन्हें मानवीय सेवा का योद्धा बनाता है। डॉक्टर्स डे डॉक्टरों द्वारा समुदायों के उपचार, सुरक्षा और समर्थन में अक्सर बड़ी व्यक्तिगत कीमत पर निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भूमिका का सम्मान करता है। डॉक्टर्स न केवल महामारी या संकट के दौरान बल्कि हर दिन, गांवों, कस्बों और शहरों में मेडिकल प्रोफेशनल्स द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका की सार्वजनिक स्वीकृति के रूप में कार्य करता है। सामान्य चिकित्सकों से लेकर विशेषज्ञों और सर्जनों तक, यह दिन उन सभी का सम्मान करता है जिन्होंने उपचार और सेवा करने की शपथ ली है। इस दिवस पर मरीज और समुदाय भी कृतज्ञता और आशा की कहानियां साझा करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। जैसाकि भारत नई सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों का सामना कर रहा है, राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस एक उत्सव और एक ऐसी प्रणाली बनाने के लिए कार्रवाई का आह्वान है, जहां डॉक्टरों को न केवल देखभाल करने वाले के रूप में सम्मानित किया जाता है, बल्कि बदले में उनकी सुरक्षा, सम्मान और देखभाल भी की जाती है। डॉक्टर कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाते हैं जो सिर्फ बीमारी का निदान और उपचार करने से कहीं आगे तक फैली हुई हैं। उनके काम में चिकित्सा ज्ञान, चिकित्सा नवाचार, संचार और करुणा का संयोजन शामिल है ताकि रोगियों को पूरी तरह से सहायता मिल सके, नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। डॉक्टरों की भूमिकाएं उनके काम करने के स्थान के आधार पर अलग-अलग होती हैं। अस्पतालों में, वे विशेष उपचार या आपातकालीन देखभाल पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। क्लीनिकों और ग्रामीण केंद्रों में, वे अक्सर सामान्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि चिकित्सा सहायता दूरदराज के क्षेत्रों में लोगों तक पहुँचे। इन विविध जिम्मेदारियों के माध्यम से, डॉक्टर व्यक्तिगत और सार्वजनिक स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, तथा हर दिन सकारात्मक बदलाव लाते हैं। भारत चिकित्सा नवाचार और प्रौद्योगिकी में वैश्विक नेता है। भारत देश केवल एक विशाल आबादी वाला देश नहीं है, बल्कि इसने चिकित्सा-क्रांति को घटित करते हुए दुनिया में चिकित्सा-सेवा के नये दीप प्रज्वलित किये हैं। डॉक्टर बनना आसान नहीं है, फिर भी आप इसे बड़ी सहजता से और हमेशा मुस्कुराते हुए करते हैं। हर कोई डॉक्टर नहीं बन सकता क्योंकि हर किसी के पास मरीजों को निस्वार्थ भाव से अपनी सेवाएं देने के लिए ज्ञान, कौशल और धैर्य नहीं होता।

हर बीमारी के लिये एक एक्सपर्ट होता है। अगर आपको सर्दी-जुकाम, खांसी, बुखार या फिर मौसमी बीमारी ने जकड़ लिया है तो आपको फिजिशियन या जनरल फिजिशियन से मिलना चाहिए। वहीं आंख, कान, नाक, टॉन्सिल, सिर या गर्दन की समस्या के लिये ईएनटी स्पेशलिस्ट होते हैं। ये साइनस का भी इलाज करते हैं। अगर आपको दिल से जुड़ी कोई दिक्कत है तो कार्डियोलॉजिस्ट के पास जाना बेहतर होता है। कोलेस्ट्रॉल लेवल के बढ़ने पर आप इन डॉक्टर के पास जाएं। इसके अलावा अगर आप तनाव में रहते हैं तो साइकोलॉजिस्ट से मिलना होता है। कैंसर की बीमारी के लिये आपको ओन्कोलॉजिस्ट के पास जाना चाहिए। अगर आपको आंखों में कोई समस्या है, जलन, खुजली, रेडनेस या इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं तो इसके लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ के पास जाएं। प्रेग्नेंसी से लेकर डिलीवरी, या फिर ब्रेस्ट, यूटीआई, पीरियड्स, की समस्या हो रही है तो गायनोकोलॉजिस्ट की मदद लें। दिमागी बीमारी के लिये न्यूरोलॉजिस्ट के पास जाने की सलाह दी जाती है। कई बार सही डॉक्टर से समय पर इलाज न मिलने की वजह से भी बीमारी और बढ़ जाती है। शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं मानवीयता जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने एवं उनको स्वस्थ बनाने के लिए अनुभवी एवं विशेषज्ञ डाक्टरों की सेवाएं वरदान है। डॉक्टर्स भगवान का रूप होते है, वे ही इंसान के जन्म के पहले साक्षी बनते हैं और उनमें करुणा एवं स्वस्थता का बीज बोते है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ हंसते हुए दे देते हैं, चाहे उनका अपना पारिवारिक सुख हो, करियर हो, जीवन की खुशियां हो या सपने हों, सबकुछ झोंक देते है। डॉक्टर्स अपने सुख-दुख को त्याग कर मरीजों के लिए जीते हैं, समाज को रोगमुक्त रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, कोविड संक्रमण के दौरान डॉक्टर्स ही थे, जो एक योद्धा की तरह हर मुश्किल घड़ी में अपनी जान की परवाह किये बिना मरीजों के साथ घंटों लगातार ड्यूटी कर रहे थे। कई डॉक्टर्स ने अपनी जान भी गंवा दी। इन डॉक्टर्स के बलिदान को भी आज के दिन याद किया जाता है। डॉक्टरों की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे बीमारियों का निदान, उपचार और रोकथाम करते हैं, जिससे लोगों का स्वास्थ्य और कल्याण सुनिश्चित होता है। वे आपातकालीन स्थितियों में जीवन रक्षक सहायता प्रदान करते हैं और बीमारियों के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। डॉक्टर लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के बारे में शिक्षित करते हैं, जिससे वे अपनी बीमारियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं और उनका प्रबंधन कर सकते हैं। डॉक्टर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे लोगों को सहायता और उपचार प्रदान करते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य अभियानों और कार्यक्रमों में भाग लेकर समुदायों में स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डॉक्टर स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का एक अभिन्न अंग हैं और समाज के समग्र कल्याण में योगदान करते हैं। आम दिन हो या महामारियों के खिलाफ जंग, ये डॉक्टर्स बिना किसी डर के सहजता और उत्साह से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं। इसलिए नहीं कि यह उनका काम है और उसके लिए उन्हें पैसे मिलते हैं। इसलिए कि वे सबसे पहले दूसरों के स्वस्थ होने और उनकी जान की फिक्र करते हैं, ऐसी मानवीय सेवाएं देने वाले इन डॉक्टर्स रूपी अद्भुत फरिश्तों के सम्मान, कल्याण एवं प्रोत्साहन का चिन्तन अपेक्षित है। उससे निश्चित ही डॉक्टर्स की सेवाएं अधिक सक्षम, प्रभावी एवं मानवीय होकर सामने आयेगी।

बिकते रहना है पाकिस्तान की नियति

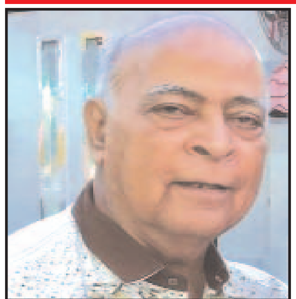

अशोक भाटिया

पाकिस्तान ने कथित तौर पर ईरान और अफगानिस्तान से संबंधित ऑपरेशनों में अमेरिकी सेना द्वारा उपयोग के लिए चुनिंदा हवाई क्षेत्रों तक पहुंच की पेशकश की है। हालांकि कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन नए सिरे से सैन्य सहायता वार्ता, उपग्रह-ट्रैक किए गए क्रफउड़ानें और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच हाल ही में व्हाइट हाउस लंच जैसे परिस्थितिजन्य साक्ष्य एक गंभीर साझेदारी के संकेत देते हैं।इस झुकाव को और मजबूत करते हुए, पाकिस्तान की सीनेट ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने में उनकी भूमिका का हवाला देते हुए, 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रम्प को नामित करने का प्रस्ताव पारित किया है। बदले में, यू।एस। कथित तौर पर एफ-16 रखरखाव, वायु रक्षा उन्नयन और अगली पीढ़ी के प्लेटफार्मों पर चर्चा की पेशकश कर रहा है।

यह उभरता हुआ समीकरण एक परिचित पैटर्न को पुनर्जीवित करता है, सामरिक सहयोग रणनीतिक अस्वीकृति में लिपटा हुआ है। भारत के लिए, आतंकवाद के केंद्र और अमेरिका के बीच इस नए सहयोग से एक जाना-पहचाना नतीजा मिलने की उम्मीद है। कूटनीति, ग्रे-जोन युद्ध और सीमा पर उकसावे के जरिए भारत पर दबाव बढ़ना, अटकलबाजी नहीं है। यह इतिहास में दर्ज है। सहयोग के इस फैसले ने पाकिस्तान के भीतर भी बेचैनी पैदा कर दी है। यह कदम पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के उस बयान के विपरीत है जिसमें उन्होंने पाकिस्तानी धरती पर अमेरिकी सैन्य ठिकानों को अनुमति देने के लिए 'बिल्कुल नहीं' की बात कही थी। धार्मिक कट्टरपंथी और कट्टर राष्ट्रवादी समूह भी अमेरिका के साथ इस गठबंधन को संप्रभुता और इस्लामी मूल्यों के साथ विश्वासघात के रूप में नाराज कर सकते हैं।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज के बजाय सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को डिनर पर आमंत्रित किया। ऐसी चर्चा थी कि अगर ट्रंप भारत से बात करना चाहते तो वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को न्योता देते। अगर ट्रंप भारत को दोस्त मानते तो उन्होंने मुनीर को डिनर पर क्यों बुलाया ?ईरान पर हमले के बाद पता चला कि खाने के पीछे कोई साजिश थी। अमेरिका ने टुकड़ा फेंक दिया और मुनीर भाग गया।मई के अंतिम सप्ताह में, पाकिस्तानी सेना प्रमुख मुनीर ने ईरान के सबसे बड़े जनरल मोहम्मद हुसैन बकरी से मुलाकात की और उन्हें एक स्मार्ट घड़ी भेंट की जिस पर जीपीएस ट्रैकर था। मुनीर ने जीपीएस ट्रैकर के साथ इजरायल से संपर्क किया। तीन हफ्तों के भीतर, इजराइल ने मोहम्मद हुसैन बकरी को मार डाला, जो इस्लाम का झंडा फहरा रहा था। बकरी ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि मुनीर एक बड़ा खतरा पैदा करेगा या मुनीर इजरायली खुफिया एजेंसी के मोसाद हैंडलर की तरह काम करेगा। पाकिस्तान दुनिया का एक ऐसा देश है जो मानता है कि यह हमेशा मुसीबत में रहता है। बकरी ने इतिहास से यह सबक नहीं सीखा। इजरायल-ईरानी युद्ध में पाकिस्तान द्वारा विश्वासघाती व्यापार करने के कई उदाहरण हैं। एक तरफ, पाकिस्तान ईरान पर हमले की निंदा कर रहा था और दूसरी तरफ, ईरान को नष्ट कर दिया जाएगा। इस तरह उस देश द्वारा सभी उद्योग चलाए जाते थे।

बेशक, मुनीर वही कर रहा है जो उससे पहले के सेना प्रमुख ने किया है। उसने पाकिस्तान पर वही संस्कार किया है। जो कोई भी टुकड़े दिखाएगा, जो अच्छी कीमत चुकाएगा, उसे बेच दिया जाना चाहिए। कल, अगर कोई इससे अधिक भुगतान करता है, तो उसे अपनी गर्दन पर गिरना चाहिए। जब संयुक्त राज्य अमेरिका को सोवियत रूस को अफगानिस्तान में विजय दिलाने के लिए पाकिस्तान की आवश्यकता थी, तो संयुक्त राज्य अमेरिका ने बैग खोले और पाकिस्तान उसकी गोद में बैठ गया। जब चीन ने खजाने के दरवाजे खोले, तो पाकिस्तान चीन का हो गया। जब पाकिस्तान आजाद हुआ तो वह सिर्फ अमेरिका के करीब था। लेकिन फिर भी वह विश्वासघात करता था। अफगानिस्तान के बदले उसने अमेरिका से काफी पैसा ऐंठा और यहां तक कि ओसामा बिन लादेन को अपने घर में छिपने की जगह भी दे दी। इस विश्वासघात को अमेरिका ने समझा भी था। लेकिन वह एक कच्चा खिलाड़ी भी था। उसने पाकिस्तान का भी खूब इस्तेमाल किया। लेकिन अब पाकिस्तान भी चीन के करीब है। दोनों से निकटता के कारण बेईमानी भी बढ़ी है। दोनों जानते हैं। लेकिन क्या करें? बेईमानी अक्सर बहुत उपयोगी होती है। थोड़ी सी बेईमानी सहन करना समय की मांग है। दोनों जानते हैं कि यह एक विक्रेता है, भुगतान करने और इसे अपनी गोद में रखने की कीमत।

हालांकि, पाकिस्तान के इस दुर्भाग्य के लिए बहुत खेद व्यक्त किया जाना चाहिए। यह समझने की कोशिश की जानी चाहिए कि पाकिस्तान की स्थिति इतनी खराब क्यों है। कुछ मूल पाकिस्तानियों द्वारा व्यक्त किया गया दुख दिल दहला देने वाला है। कनाडा में रहने वाले वसीम अहमद का दर्द काफी अलग था। मिर्जा गुलाम अहमद ने 1889 में पंजाब के गुरदासपुर जिले के कादियान में समुदाय की स्थापना की। स्वतंत्रता के समय अधिकांश अहमदी पाकिस्तान चले गए। लेकिन उनके साथ बहुत बुरा व्यवहार किया गया। जब जुल्फिकार अली भुट्टो पाकिस्तान के प्रधान मंत्री थे, तो उन्होंने संसद में एक प्रस्ताव पारित किया कि अहमदिया समुदाय को मुस्लिम नहीं माना जाएगा। अहमदिया अहमदिया के दरबार में गए। लेकिन तानाशाह जिया-उल-हक ने एक ऐसा ही फरमान जारी किया। इन अहमदियों को अब पाकिस्तान में मस्जिदों में प्रार्थना करने की अनुमति नहीं है और उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं है। हजारों लोगों को कैद कर लिया गया है। खैबर पख्तूनख्वा जैसी जगहों पर, जहां मुल्लाओं ने अहमदिया समुदाय का नरसंहार किया है। कभी 40,000 अहमदी थे। अब केवल 900 हैं। इस समुदाय के लोग कहां गए हैं? उसके मौलवी मसरूर अहमद लंदन में निर्वासन में रह रहे हैं और उनका पासपोर्ट रद्द कर दिया गया है। इस सम्प्रदाय का स्लोगन बहुत अच्छा है। ह्यसभी के लिए प्यार, किसी पर गुस्सा नहीं। दुर्भाग्य से पाकिस्तानी शासकों के मन में इस समुदाय के प्रति इतनी नफरत है कि देश का पहला विज्ञान का नोबेल पुरस्कार जीतने वाले प्रोफेसर अब्दुल सलाम का नाम अहमदिया होने के कारण हटा दिया गया। पाकिस्तान में हिंदुओं और ईसाइयों के खिलाफ अत्याचार जगजाहिर हैं। वर्तमान में पाकिस्तान तीन गुटों में बंटा हुआ नजर आ रहा है। एक तरफ देश पर सेना और आईएसआई का कब्जा हो गया है। दूसरी तरफ डरपोक और धोखेबाज नेता हैं। विश्वासघात दोनों के खून में है। तीसरी तरफ अभागे लोग हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि लोग इस देश को बिक्री के लिए एक वस्तु बनने की अनुमति देने से रोकने की कितनी कोशिश करते हैं, सेना ऐसा होने की अनुमति नहीं देती है। हमें उनसे सहानुभूति है। लेकिन क्या करें, पाकिस्तान का हश्र अभी के लिए कुछ ऐसा ही है।

एक बात और आतंकवाद को पनाह देने और कट्टरपंथ को निर्यात करने के पाकिस्तान के लंबे इतिहास के बावजूद, अमेरिका उसके साथ लगातार संपर्क में है। इसका कारण साझा मूल्य नहीं हैं। यह एक सामरिक उपयोगिता है। पाकिस्तान ठिकानों तक पहुंच प्रदान करता है और खुफिया जानकारी प्रदान करता है। अब, जब पाकिस्तान फिर से वाशिंगटन की ओर झुक रहा है, तो चीन को याद दिलाया जा सकता है कि इस्लामाबाद की वफादारी लेन-देन की है। यह केवल तब तक बनी रहती है जब तक यह उपयोगी है। पाकिस्तान का व्यवहार एक सुविदित पैटर्न पर चलता है। वह अपनी आंतरिक कमजोरियों को दूर करने के लिए, बाहरी समर्थन चाहता है और फिर उस समर्थन का इस्तेमाल भारत को कमजोर करने में करता है। इसके संरक्षक तो बदल जाते हैं, लेकिन रणनीति अपरिवर्तित रहती है।

भारत को आत्मसंतुष्टि और नैतिक चिंता दोनों से बचना चाहिए। अमेरिका साझेदार हो सकता है, लेकिन गारंटी नहीं। चीन विरोधी है, लेकिन अडिग नहीं। मुख्य बात यह है कि सतर्क, सक्षम और आत्म-निर्देशित बने रहें। अमेरिका को भी पाकिस्तान चीन के साथ अपने संबंधों को खराब करने का जोखिम उठा रहा है। बीजिंग भले ही खुलकर यह न कहे, लेकिन वह इसे विश्वासघात के रूप में देखेगा। पाकिस्तान को जल्द ही पता चल सकता है कि दोनों पक्षों के साथ खेलना महंगा पड़ता है। भारत के लिए, सबक सरल है। रणनीतिक, कूटनीतिक और तकनीकी रूप से तैयार रहें।

प्रयागराज में दलित बच्चियों का धर्म बदलकर आतंकवादी बनाने की साजिश का बड़ा खुलासा

-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश का प्रयागराज जो एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध शहर है,उसमें हाल ही में एक सनसनीखेज और चिंताजनक घटना के कारण सुर्खियों में आया है। पुलिस ने एक खतरनाक साजिश का पदार्फाश किया है, जिसमें दलित नाबालिग लड़कियों को बहला-फुसलाकर उनका धर्म परिवर्तन कराने और उन्हें आतंकवादी गतिविधियों में शामिल करने की योजना थी। इस मामले ने न केवल स्थानीय समुदाय को झकझोर दिया है, बल्कि पूरे देश में सामाजिक और धार्मिक संवेदनशीलता पर सवाल उठाए हैं। यह सनसनीखेज मामला तब सामने आया जब प्रयागराज पुलिस को सूचना मिली कि फूलपुर इलाके में एक दलित नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसे पहले दिल्ली और फिर केरल ले जाया गया। जांच में पता चला कि इस अपहरण के पीछे एक सुनियोजित साजिश थी, जिसका उद्देश्य नाबालिग लड़कियों को धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करना और उन्हें आतंकवादी संगठनों में भर्ती करना था। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया और लड़की को सुरक्षित बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया।

आरोपियों ने कथित तौर पर लड़की को बहला-फुसलाकर पहले दिल्ली ले गए, जहां उसे मानसिक रूप से प्रभावित करने की कोशिश की गई। इसके बाद उसे केरल ले जाया गया, जहां उसका जबरन धर्म परिवर्तन कराने और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल करने की योजना थी। इस साजिश में शामिल लोगों ने नाबालिगों को निशाना बनाया, क्योंकि उन्हें लगता था कि कम उम्र की लड़कियां आसानी से प्रभावित हो सकती हैं।

जांच से पता चला कि यह गिरोह विशेष रूप से दलित समुदाय की नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाता था। इन लड़कियों को पहले लालच देकर या भावनात्मक रूप से प्रभावित करके अपने जाल में फंसाया जाता था। इसके बाद, उन्हें उनके परिवारों से दूर ले जाकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डाला जाता था। इस साजिश का अंतिम लक्ष्य इन लड़कियों को आतंकवादी संगठनों के लिए तैयार करना था, ताकि वे जिहादी गतिविधियों में शामिल हो सकें। यह खुलासा न केवल सामाजिक दृष्टिकोण से गंभीर है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी एक बड़ा खतरा है। प्रयागराज पुलिस ने इस मामले में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की। सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और अपहरण के कुछ ही समय बाद लड़की को केरल से बरामद कर लिया। इस ऑपरेशन में शामिल पुलिसकर्मियों ने अपनी सूझबूझ और तत्परता से एक बड़े खतरे को टाल दिया। गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों से पूछताछ जारी है, और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस साजिश में और कौन-कौन शामिल हो सकता है। पुलिस का मानना है कि यह एक बड़े आतंकी मॉड्यूल का हिस्सा हो सकता है, जिसके तार देश के विभिन्न हिस्सों से जुड़े हो सकते हैं। इस घटना ने सामाजिक और धार्मिक स्तर पर कई सवाल खड़े किए हैं। दलित समुदाय, जो पहले से ही सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है, अब इस तरह की साजिशों का शिकार बन रहा है। यह घटना समाज में विश्वास की कमी को और गहरा सकती है। साथ ही, धर्म परिवर्तन जैसे संवेदनशील मुद्दे पर यह मामला एक नई बहस को जन्म दे सकता है। कई संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस घटना की निंदा की है और सरकार से ऐसी साजिशों को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की है।अब देखना यह है कि हर समय ओबीसी और पीडीए का राग अलापने वाले नेता इस मसले पर कुछ बोलते हैं या फिर तुष्टिकरण की सियासत के चलते पहले की तरह इस समय भी मुंह बंद रखेंगे।

संविधान की प्रस्तावना में शामिल 'समाजवादी' व 'धर्मनिरपेक्षता' शब्द पर जारी सियासत के मायने

-कमलेश पांडेय

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यानी आरएसएस सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संविधान की प्रस्तावना में बाद में शामिल किए गए दो शब्दों 'संविधान की प्रस्तावना में शामिल 'समाजवादी' व 'धर्मनिरपेक्षता' शब्द पर जारी सियासत के मायने' और 'धर्मनिरपेक्ष' को 'संविधान हत्या दिवस' के दिन ही हटवाने की जो वकालत की है, उसके राष्ट्रीय, सामाजिक और धार्मिक मायने तो स्पष्ट हैं, लेकिन उनकी इस साफगोई ने एक बार से इन दोनों विवादास्पद शब्दों से जुड़े सियासी अंतर्विरोधों को उजागर कर दिया है।

ऐसा इसलिए कि उनके दिए गए बयान को लेकर जहां कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के नेताओं के अलावा एनडीए की सहयोगी लोजपा ने भी होसबोले की टिप्पणी की आलोचना की, वहीं भाजपा ने होसबोले का बचाव किया है। एक सवाल कि, क्या आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में शामिल किए गए 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द वहां बने रहने चाहिए, का जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और डॉ. जितेंद्र सिंह ने दोनों शब्दों को हटवाए जाने के विचार का समर्थन किया है।

वहीं, होसबोले की टिप्पणी का उल्लेख करते हुए विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि आरएसएस का मुखौटा फिर से उतर गया है और संविधान उन्हें परेशान करता है क्योंकि यह समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है।₹ गांधी ने कहा कि, आरएसएस-बीजेपी गठबंधन मनुस्मृति चाहता है और हाशिए पर पड़े लोगों और गरीबों को उनके अधिकारों से वंचित करना चाहता है। उन्होंने कहा, उनका असली एजेंडा संविधान जैसे शक्तिशाली हथियार को उनसे छीनना है।

वहीं, कांग्रेस के राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने कहा है कि 1949 से ही आरएसएस ने संविधान पर हमला किया है, संविधान का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि संघ के लोगों ने पंडित नेहरू और आंबेडकर के पुतले जलाए थे।

वहीं, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि, इन सिद्धांतों को बदनाम करने के लिए आपातकाल लागू करना एक धोखेबाजी भरा कदम है, खासकर तब जब आरएसएस ने अपने अस्तित्व के लिए उस समय इंदिरा गांधी सरकार के साथ मिलीभगत की थी... अब उस अवधि का उपयोग संविधान को कमजोर करने के लिए करना सरासर पाखंड और राजनीतिक अवसरवाद को दर्शाता है।

इस प्रकार जहां कांग्रेस ने कहा कि, ये बाबा साहेब के संविधान को खत्म करने की वो साजिश है, जो आरएसएस-बीजेपी हमेशा से रचती आई है। लोकसभा चुनाव में तो बीजेपी के नेता खुलकर कह रहे थे कि हमें संविधान बदलने के लिए संसद में 400 से ज्यादा सीटें चाहिए। अब एक बार फिर वे अपनी साजिशों में लग गए हैं लेकिन कांग्रेस किसी कीमत पर इनके मंसूबों को कामयाब नहीं होने देगी।₹ उसने साफ कहा है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बीजेपी की सोच ही संविधान विरोधी है। वहीं, सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन में शामिल लोजपा, राजग की एकमात्र सहयोगी पार्टी है जिसने होसबोले की टिप्पणी पर गठबंधन विचार के विपरीत प्रतिक्रिया दी है। लोजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एके बाजपेयी ने कहा है कि, अगर यह मुद्दा गठबंधन के सामने लाया जाता है तो हम इसका विरोध करेंगे। हम समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता के रक्षक हैं।

इसके ठीक उलट भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पिछले सात दशकों में संविधान और उसकी भावना से छेड़छाड़ करने के हर कृत्य के पीछे कांग्रेस का हाथ होने का आरोप लगाया और कहा कि उसे आपातकाल के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि, ₹भाजपा आपातकाल के दौरान कांग्रेस सरकार द्वारा लोगों के मौलिक अधिकारों के घोर उल्लंघन और अत्याचारों का मुद्दा उठाती रही है और कांग्रेस से माफी की मांग करती रही है लेकिन पार्टी माफी मांगने को तैयार नहीं है और इसके बजाय मुद्दे को भटका रही है।₹

वहीं, केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट कहा है कि, ₹सर्व धर्म समभाव भारतीय संस्कृति का मूल है। धर्म निरपेक्षता हमारी संस्कृति का मूल नहीं है। इसलिए इस पर जरूर विचार होना चाहिए कि आपातकाल में जिस धर्म निरपेक्षता शब्द को जोड़ा गया, उसको हटा दिया जाए।₹ वहीं, समाजवाद पर चौहान ने कहा कि सभी को अपने जैसा मानना भारतीय मूल विचार है। उन्होंने कहा कि यह विश्व एक परिवार है (वसुधैव कुटुम्बकम), यही भारत का मूल विचार है। उन्होंने कहा कि, ₹यहां समाजवाद की कोई जरूरत नहीं है। हम लंबे समय से कहते आ रहे हैं कि सभी के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। इसलिए, समाजवाद शब्द की भी जरूरत नहीं है और देश को निश्चित रूप से इस बारे में सोचना चाहिए।

वहीं, केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि होसबोले की टिप्पणी पर कोई दूसरा विचार किया गया है। उन्होंने कहा, होसबोले जी ने कहा है कि धर्मनिरपेक्ष और ह्यसमाजवादी शब्द 42वें संशोधन के बाद हमारी प्रस्तावना में जोड़े गए क्योंकि ये बाबासाहेब अंबेडकर द्वारा नहीं दिए गए थे। जबकि डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संविधानों में से एक का निर्माण किए जाने की ओर इशारा करते हुए सिंह ने कहा, यदि यह उनकी सोच नहीं थी तो फिर किसी ने किस सोच के साथ इन शब्दों को जोड़ा।

यह पूछे जाने पर कि क्या भाजपा 'धर्मनिरपेक्ष' और 'समाजवादी' शब्दों को हटाने की मांग का समर्थन करती है, सिंह ने कहा, ₹कौन नहीं करना चाहता? हर सही सोच वाला नागरिक इसका समर्थन करेगा क्योंकि हर कोई जानता है कि वे मूल संविधान दस्तावेज का हिस्सा नहीं हैं, जिसे डॉ अंबेडकर और समिति के बाकी सदस्यों ने लिखा था। उन्होंने कहा, यह भाजपा बनाम गैर-भाजपा का सवाल नहीं है, यह लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण का सवाल है।

उन्होंने आगे कहा कि आपातकाल कोई अचानक किया गया परिवर्तन नहीं था बल्कि यह कांग्रेस की वैचारिक बुनियाद का परिणाम था। उन्होंने कांग्रेस पर भाई-भतीजावाद, अधिनायकवाद और अवसरवाद में डूबे रहने तथा हमेशा अपने हितों को देश के हितों से ऊपर रखने का आरोप लगाया। वहीं, प्रख्यात लेखिका तवलीन सिंह लिखती हैं कि, भारतीय संस्कृति का मूल सर्वधर्म समभाव है, न कि धर्म निरपेक्षता। इसलिए आपातकाल के दौरान जोड़े गए धर्म निरपेक्ष शब्द को हटाने पर चर्चा होनी चाहिए।

बता दें कि दत्तात्रेय होसबाले ने गत संविधान हत्या दिवस के दिन गुरुवार को कहा था कि ह्यसमाजवादीह्ल और ह्यधर्मनिरपेक्षह्ल शब्दों को आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा, ₹आपातकाल के दौरान ही संविधान की प्रस्तावना में दो शब्द जोड़े गए। ये दो शब्द 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' हैं। ये प्रस्तावना में पहले नहीं थे।

दत्तात्रेय होसबाले ने आगे कहा कि, ₹बाबा साहेब ने जो संविधान बनाया, उसकी प्रस्तावना में ये शब्द कभी नहीं थे। आपातकाल के दौरान जब मौलिक अधिकार निलंबित कर दिए गए, संसद काम नहीं कर रही थी, न्यायपालिका पंगु हो गई थी, विपक्ष जेल यातना सह रहा था, तब ये शब्द जोड़े गए।₹ यही वजह है कि होसबाले ने दो टूक शब्दों में कहा, ₹इन्हें प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं, इस पर विचार किया जाना चाहिए।₹ स्पष्ट है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने संविधान की प्रस्तावना से सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द हटाने की वकालत की है। सवाल है कि आखिर संघ इन दो शब्दों को क्यों हटवाना चाहता है और इन्हें लेकर डॉक्टर आंबेडकर का क्या रुख था? तो जवाब होता कि इमरजेंसी के 50 साल पूरे होने के मौके पर नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में दत्तात्रेय होसबाले ने संविधान की प्रस्तावना से 'सोशलिस्ट' और 'सेक्यूलर', ये दो शब्द हटाने की मांग की और कांग्रेस से इंदिरा गांधी की सरकार के इमरजेंसी लगाने के फैसले को लेकर माफी मांगने की भी मांग की। उन्होंने कांग्रेस पर तंज करते हुए कहा कि उस समय जो लोग यह सब कर रहे थे, वह आज संविधान की कॉपी लेकर घूम रहे हैं।

इस प्रकार देखा जाए तो संविधान की प्रस्तावना में सोशलिस्ट और सेक्यूलर, इन दोनों शब्दों को लेकर एक नई बहस भी छिड़ गई है, जबकि सुप्रीम कोर्ट की भी इस पर राय आ चुकी है कि संविधान की प्रस्तावना में छेड़छाड़ नहीं किया जा सकता है। इसलिए पूरक सवाल अब यह उठाया जा रहा है कि तब आपातकाल के दौरान संविधान के प्रस्तावना में हुए छेड़छाड़ को विलोपित किया जाए। प्रथमदृष्टया यह मांग गलत भी नहीं प्रतीत होता है। संघ नेता होसबोले ने कहा कि इस पर विचार किया जाना चाहिए कि क्या कांग्रेस सरकार की ओर से इमरजेंसी के समय संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द बरकरार रखे जाने चाहिए या नहीं? उन्होंने इन दोनों शब्दों को हटाने की वकालत की। क्योंकि 1976 में 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से संविधान की प्रस्तावना में 'सॉवरेन सोशलिस्ट सेक्यूलर डेमोक्रेटिक रिपब्लिक' शब्द जोड़ा गया था। तब देश में इमरजेंसी लागू थी।

दरअसल, संविधान की प्रस्तावना से ये शब्द हटाने की मांग के पीछे यह तर्क दिया जाता है कि इन्हें तब जोड़ा गया था, जब तानाशाही थी और सरकार की बातें ही कानून थीं। इन शब्दों को संसद में चर्चा कर जोड़े जाने की जगह थोपा गया था। दावे यह भी किए जाते हैं कि सोशलिस्ट देश के रूप में पहचान से पॉलिसी चॉइस सीमित हो जाती है। मसलन, संघ की अगुवाई वाले दक्षिणपंथी सेक्यूलर को भारत की हिंदुत्व की विरासत को नकारने जैसा मानते हैं। वहीं, देश का एक तबका संविधान की प्रस्तावना में जोड़े गए इन शब्दों का समर्थन भी करता है, जो यह तर्क देते हैं कि इससे भारत की समन्वयकारी संस्कृति स्पष्ट होती और ये शब्द समाज के प्रति सरकार की जिम्मेदारी, आस्था से जुड़े विषयों पर सरकार के न्यूट्रल स्टैंड को भी दशार्ते हैं।

बता दें कि संविधान सभा में सोशलिस्ट और सेक्यूलर पर चर्चा हुई थी? बावजूद इसके सोशलिस्ट और सेक्यूलर संविधान के मूल ड्राफ्ट का अंग नहीं थे। इन शब्दों पर संविधान सभा में भी चर्चा हुई थी, क्योंकि संविधान सभा के कुछ सदस्यों ने संविधान की प्रस्तावना में सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द जोड़ने का प्रस्ताव रखा था। ऐसा करने वाले सदस्यों का मत था कि सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द देश की विचारधारा को प्रदर्शित करेंगे। उल्लेखनीय है कि संविधान सभा के सदस्य रहे प्रोफेसर के टी शाह ने ये शब्द संविधान में शामिल कराने के लिए कई प्रयास किए क्योंकि उनका तर्क था कि सेक्यूलर शब्द से धर्म को लेकर न्यूट्रल रहने की प्रतिबद्धता जाहिर होगी और सोशलिस्ट शब्द आर्थिक असमानता दूर करने का उद्देश्य दर्शाएगा। इसकी प्रकार एचवी कामथ और हसरत मोहानी ने भी प्रोफेसर केटी शाह के तर्क का समर्थन किया था। हालांकि, संविधान निमार्ता डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने संविधान में इन शब्दों को शामिल किए जाने का विरोध किया था क्योंकि वह सोशलिस्ट को एक अस्थायी नीति के रूप में देखते थे, संवैधानिक आदेश के रूप में नहीं। डॉक्टर आंबेडकर का यह स्पष्ट मत था कि ऐसी नीतियों को भविष्य की सरकारों पर छोड़ देना चाहिए। तब उन्होंने कहा था कि संविधान की प्रस्तावना में सोशलिस्ट का स्थायी सिद्धांत के रूप में वर्णन लोकतंत्र के लचीलेपन को कमजोर करेगा।

याद दिला दें कि तब डॉक्टर आंबेडकर ने कहा था, ₹राज्य की नीति क्या होनी चाहिए...यह ऐसा मामला, जिसे समय और परिस्थितियों के मुताबिक लोगों को खुद तय करना चाहिए। इसे संविधान में नहीं रखा जा सकता। ऐसा करना लोकतंत्र को नष्ट कर देगा।₹ तब उन्होंने यह तर्क भी दिया था कि सोशलिस्ट शब्द संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में पहले से ही शामिल है। इसलिए भी यह संविधान की प्रस्तावना में गैरजरूरी हो जाता है।

उन्होंने प्रोफेसर केटी शाह के जवाब में दो टूक शब्दों में कहा था कि अगर नीति निर्देशक तत्व अपने डायरेक्शन और कंटेंट में समाजवादी नहीं हैं तो यह समझने में विफल हूं कि इससे अधिक सोशलिज्म क्या हो सकता है। उन्होंने कहा था कि ये सोशलिस्ट सिद्धांत पहले से ही हमारे संविधान में शामिल हैं और यह संशोधन स्वीकार करना गैर जरूरी है। वहीं, बौद्ध धर्म मानने वाले डॉक्टर आंबेडकर का भारत के बहुसांस्कृतिकवाद में भरोसा था और सेक्यूलर को लेकर उनका मत था कि यह शब्द गैर जरूरी है। उनका तर्क था कि संविधान में मौलिक अधिकारों के माध्यम से पहले ही इसकी गारंटी दी जा चुकी है। यह प्रस्तावना के मसौदे में भी पहले से ही निहित है। डॉक्टर आंबेडकर ने सेक्यूलरिज्म की अवधारणा का नहीं, इसके उल्लेख का विरोध किया। उनका मत था कि संविधान की संरचना इस सिद्धांत को बरकरार रखती है और राज्य सभी धर्मों के समान व्यवहार सुनिश्चित करेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि बिना किसी लेबल के किसी के भी साथ भेदभाव न हो। वहीं, देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की इमेज एक कट्टर समाजवादी और सेक्यूलरिज्म के समर्थक नेता की है। उन्होंने सभी के लिए धार्मिक स्वतंत्रता की वकालत करते हुए कहा था कि इसमें उन लोगों की स्वतंत्रता भी शामिल है, जिनका कोई धर्म नहीं है। नेहरू ने भी सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द को प्रस्तावना में शामिल किए जाने की पैरवी नहीं की क्योंकि नेहरू का यह मानना था कि संविधान की संरचना हर धर्म के लिए सम्मान के साथ ही कल्याणकारी राज्य सुनिश्चित करती है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि संविधान निमार्ता आंबेडकर और आधुनिक भारत के निमार्ता व प्रथम प्रधानमंत्री नेहरू, दोनों के ही मत इस विषय पर एक समान थे। उन दोनों का ही यह स्पष्ट मत था कि संविधान को रूपरेखा तय करनी चाहिए, निश्चित नीति नहीं। यही वजह है कि जब 26 नवंबर, 1949 को संविधान सभा ने सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द के बिना प्रस्तावना को अंगीकार किया तो फिर सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द प्रस्तावना में क्यों जोड़े गए?

उल्लेखनीय है कि इंदिरा गांधी की अगुवाई वाली सरकार ने 1976 में संविधान की प्रस्तावना में सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द जोड़े। उनके इस फैसले के पीछे कल्याणकारी राज्य के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को उद्देश्य बताया गया। साथ ही यह तर्क भी दिए गए कि गरीबी हटाओ के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को यह दशार्ता है। तब सरकार की ओर से यह भी कहा गया था कि संविधान के मूल उद्देश्य को दशार्ने, धर्म को लेकर तटस्थ रुख मजबूत करने के लिए सेक्यूलर शब्द जोड़ा गया।

हालांकि, यह संशोधन रेट्रोएक्टिव तरीके से 26 नवंबर 1949 की तारीख से लागू किया गया जिसे बाद में आलोचकों ने चुनौती भी दी। इमरजेंसी के बाद 1977 में चुनाव हुए और जनता पार्टी की सरकार बनी। तब भी परवर्ती सरकार ने 42वें संविधान संशोधन के कुछ भाग हटा दिए लेकिन सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द बरकरार रखे गए।

कुछ यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टर बलराम सिंह बनाम यूनियन ऑफ इंडिया केस में पिछले ही साल (2024 में) ही सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द संविधान की प्रस्तावना में शामिल किए जाने को दी गई चुनौती खारिज कर दी थी। तब सर्वोच्च न्यायलय ने अपने फैसले में कहा कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज है और इसमें संसद संशोधन कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि समय के साथ भारत ने सेक्यूलरिज्म की अपनी व्याख्या का विकास किया है। इसमें राज्य न तो किसी धर्म का समर्थन करता है और ना ही किसी धर्म को दंडित करता है। यह सिद्धांत संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 में निहित हैं।

बता दें कि इससे पहले 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य केस में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि प्रस्तावना, संविधान का अभिन्न अंग है और अनुच्छेद 368 के तहत इसमें भी संशोधन किए जा सकते हैं, बशर्ते मूल ढांचे का उल्लंघन न हो। यही वजह है कि केंद्र की सियासत में हिंदूवादी मानी जाने वाली पार्टी बीजेपी के मजबूत उभार के बाद सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द को लेकर बहस और तेज हो गई है, जिसकी राजनीति भी समाजवाद के सिद्धांतों पर ही आधारित है। साल 2015 में नरेंद्र मोदी सरकार सोशलिस्ट और सेक्यूलर शब्द के बिना संविधान के प्रस्तावना की एक तस्वीर का इस्तेमाल किया था। तब केंद्रीय मंत्रियों ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा था कि इन शब्दों पर बहस होनी चाहिए। कुछ दक्षिणपंथी विचारक यह तर्क देते हैं कि सेक्यूलर शब्द छद्म धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देता है।

शिवतेज मित्र मंडल द्वारा काशी विश्वनाथ कांवड़ यात्रा को लेकर बैठक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर परिसर में शिवतेज मित्र मंडल की एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक आगामी सावन मास के प्रथम सोमवार 14 जुलाई 2025 को काशी विश्वनाथ कांवड़ यात्रा को लेकर आयोजित की गई, जिसमें यात्रा की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि इस बार की कांवड़ यात्रा शिव मंदिर से आरंभ होकर सूर्या नदी से पवित्र जल लाने के बाद काशी विश्वनाथ मंदिर में भगवान शिव के जलाभिषेक के साथ सम्पन्न की जायेगी। यात्रा को भव्य और श्रद्धा से परिपूर्ण बनाने हेतु सभी सदस्यों ने एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस आयोजन के मुख्य संयोजक व मंडल के संस्थापक अध्यक्ष तुलसी राम केवट ने सभी को यात्रा की तैयारियों से अवगत कराया और सहयोग की अपील की। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष ने सभी को शिवभक्ति में सहभागी बनने का आग्रह किया और कांवड़ यात्रा को सफल बनाने के लिए एकजुटता दिखाने की अपील की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शिवतेज मित्र मंडल अध्यक्ष, काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के संस्थापक, भाजपा नेता तुलसीराम केवट, राजीव रंजन सिंह, बृज लाल सरोज, धर्मेंद्र शाह, बिंदु गुप्ता, आनंद महतो, सूर्य नारायण चौधरी, राजू पाठक, गोलू पंडित, संतोष साहनी, सर्वेश सिंह, सुनील लांडे, शिवलाल गुप्ता, केशव यादव, मूरत सिंह एवं गौरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बोईसर की दिया सिंह ने मुंबई यूनिवर्सिटी में बीएससी आईटी में किया टॉप, क्षेत्र में खुशी की लहर

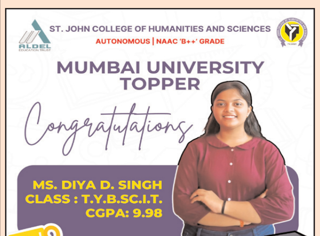

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के बोईसर क्षेत्र की होनहार छात्रा दिया धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने मुंबई यूनिवर्सिटी की बीएससी आईटी परीक्षा में टॉप कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। दिया सिंह ने सेंट जॉन कॉलेज ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड साइंसेज, पालघर से पढ़ाई करते हुए न केवल अपने कॉलेज में बल्कि मुंबई यूनिवर्सिटी से संबद्ध सभी कॉलेजों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया है।

बतादें कि दिया सिंह बोईसर के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप सिंह की भतीजी हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा टीवीएम स्कूल, बोईसर से प्राप्त की थी और आगे की पढ़ाई पालघर के प्रतिष्ठित कॉलेज में पूरी की। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे बोईसर क्षेत्र में उत्सव का माहौल है। उनकी इस सफलता पर माता-पिता, परिजनों सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिकों, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकताओं एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। दिया ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, शिक्षकों और मार्गदर्शकों को दिया और आगे चलकर देश और समाज के लिए तकनीकी क्षेत्र में योगदान देने की इच्छा जताई है।

ओडिसी इलेक्ट्रिक और इंडोफास्ट एनर्जी में साझेदारी भारत का सबसे किफायती बैटरी-स्वैपिंग स्कूटर 'स्नैप' होगा लॉन्च

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ओडिसी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स, भारत की तेजी से बढ़ रही इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी, ने इंडियन ऑयल और सन मोबिलिटी के संयुक्त उद्यम, इंडोफास्ट एनर्जी के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी में सन मोबिलिटी की बैटरी-स्वैपिंग टेक्नोलॉजी को ओडिसी के हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर, स्नैप में शामिल किया जाएगा। इससे स्नैप की रेंज की चिंता और लंबे चार्जिंग समय की समस्या खत्म होगी, जिससे शहरों में सवारी करने वालों के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर का उपयोग आसान, किफायती और पर्यावरण के लिए बेहतर होगा।

बैटरी-स्वैपिंग इनेबल्ड स्नैप को नई दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु और मुंबई में पेश किया जा रहा है, और अन्य शहरों में इसके चरणबद्ध विस्तार की योजना है। स्नैप एक हाई-स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जिसमें 2000 वाट का पीक मोटर आउटपुट, 55 किमी/घंटा की टॉप स्पीड और प्रति स्वैप 100 किमी की अधिकतम रेंज है। इसमें वाटरप्रूफ आईपी 67-रेटेड मोटर, सड़कों के लिए मजबूत भारतीय चेसिस, बेहतर आराम के लिए क्रूज कंट्रोल और रीयल-टाइम बैटरी और रेंज अपडेट प्रदान करने वाला सीएएन -इनेबल्ड डिस्प्ले है। स्नैप प्रदर्शन और सुविधा दोनों प्रदान करता है, जो आज के दैनिक यात्रियों के लिए आदर्श है।स्वैपेबल बैटरी तकनीक एक बड़ा बदलाव लाने वाला नवाचार है, जो राइडर्स की रोजमर्रा की जिंदगी में सुविधा, बचत और स्वतंत्रता लाता है।

ठाणे क्रीक की सफाई के लिए एटी कैपिटल फाउंडेशन का योगदान

मुंबई। एटी कैपिटल ग्रुप की चैरिटेबल शाखा, एटी कैपिटल फाउंडेशन लिमिटेड ने द ओशन क्लीनअप के साथ 5-वर्षीय साझेदारी की घोषणा की है। इस महत्वपूर्ण सहयोग में आगे बढ़ते हुए, ठाणे क्रीक, मुंबई की एक सहायक नदी में व्यापक रूप से साफ करने की परियोजना में 1.5 मिलियन यूरो का निवेश करेगा। इस महत्वपूर्ण प्रयास का उद्देश्य एशिया की सबसे बड़ी खाड़ियों या क्रीक्स में से एक को प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त कराना और वहां के बेहद महत्वपूर्ण जैव विविधता क्षेत्र को बहाल करना है। इस पहल के तहत इस क्षेत्र से हर साल लगभग 385 टन कचरा हटाए जाने की उम्मीद है। द ओशन क्लीनअप एक अंतरराष्ट्रीय, मिशन से प्रेरित, गैर-लाभकारी संगठन है, जो दुनिया के महासागरों को प्लास्टिक से मुक्त करने के लिए तकनीकों को विकसित करके उसे बड़े पैमाने पर लागू करता है।

भाषा विवाद को लेकर संजय राउत ने बीजेपी पर साधा निशाना

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा तीन-भाषा नीति पर माशेलकर समिति की रिपोर्ट स्वीकार करने के झूठे दावे करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। मीडिया को संबोधित करते हुए, राउत ने कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए कहा कि अगर ठाकरे ने माशेलकर समिति की रिपोर्ट पेश की थी, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए था।

राउत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि झूठ बोलना भाजपा की राष्ट्रीय नीति है। ये लोग महाराष्ट्र में इसी नीति के साथ काम कर रहे हैं। अगर उद्धव ठाकरे ने माशेलकर समिति पर कोई रिपोर्ट पेश की थी, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए। एक समिति की रिपोर्ट जारी की गई है और कैबिनेट में रखी गई है। क्या इस पर चर्चा नहीं हो सकती? आपने कैबिनेट के साथ जबरदस्ती हिंदी पर चर्चा की - आपने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यह एक राष्ट्रीय नीति है। अगर कोई राष्ट्रीय नीति राज्य के सामने आती है, तो उस पर चर्चा करना बहुत जरूरी है। देवेंद्र फडणवीस तीन बार मुख्यमंत्री बन चुके हैं - क्या उन्हें इतना ज्ञान नहीं है?

इससे पहले 29 जून को, विपक्ष की भारी आलोचना का सामना करने और राज्य के लोगों पर हिंदू भाषा थोपने के आरोप के बाद महाराष्ट्र सरकार ने तीन-भाषा नीति के कार्यान्वयन पर दो आदेशों को रद्द कर दिया था। महाराष्ट्र सरकार के एक प्रेस नोट के अनुसार, 24 जून को मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस ने तीन-भाषा फॉर्मूले पर घोषणा करते हुए आरोप लगाया था कि यह पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे थे जिन्होंने कक्षा 1 से 12 तक तीन-भाषा नीति शुरू करने के लिए डॉ रघुनाथ माशेलकर समिति की सिफारिशों को स्वीकार किया था और इसके कार्यान्वयन के लिए एक पैनल भी गठित किया था।

पालघर जिले में 1 जुलाई को विशेष आर्थिक साक्षरता अभियान का शुभारंभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के निदेर्शानुसार पालघर जिले में 1 जुलाई से 30 सितंबर 2025 तक विशेष आर्थिक साक्षरता अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर बैंकों के माध्यम से संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के विशेषकर महिलाओं, वृद्ध नागरिकों एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीच वित्तीय जागरूकता फैलाना है। अभियान के दौरान प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत नए खाते खोले जायेंगे, केवाईसी की प्रक्रिया पूरी की जायेगी, डिजिटल वित्तीय साक्षरता पर जानकारी दी जायेगी और जिम्मेदारी से कर्ज लेने, धोखाधड़ी से बचने के उपायों के बारे में बताया जायेगा। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की भी जानकारी दी जायेगी। जिले की सभी राष्ट्रीयकृत बैंकें, निजी बैंकें तथा डीसीसी बैंक की ग्रामीण शाखाएं इस अभियान में भाग लेंगी। बैंकों के माध्यम से शिविर आयोजित किये जायेंगे, गांव-गांव जाकर जनजागरूकता एवं प्रचार-प्रसार कार्यक्रम चलाए जायेंगे। खासकर दुर्गम और उपेक्षित क्षेत्रों में वित्तीय सेवाएं पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों, स्वयं सहायता समूहों, ग्राम स्तरीय अधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय मीडिया से इस अभियान में सक्रिय भाग लेने की अपील की है। अधिक जानकारी या अपने क्षेत्र में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नजदीकी बैंक शाखा या पालघर जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक कार्यालय से संपर्क करें।

नैसर्गिक विकलांग सेवा संघ ने दिव्यांगों को नोटबुक व छतरी का वितरण किया गया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। दिव्यांगजनों के हितार्थ काम करने वाली संस्था नैसर्गिक विकलांग सेवा संघ द्वारा अँधेरी स्थित संस्था कार्यालय में अध्यक्ष टी. एन. दुबे के संयोजन में २०० जरूरतमंद दिव्यांगजनों को मुफ्त में नोटबुक तथा छतरी वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक मुरजी पटेल (काका) और सम्माननीय अतिथि आर.टी.आई. विशेषज्ञ अनिल गलगली, शिवसेना उपविभाग प्रमुख जोगेश्वरी पूर्व विधानसभा कैलाश पाठक, पूर्व नगरसेवक सुरेंद्र दुबे, मुंबई बीजेपी प्रवक्ता उदय प्रताप सिंह, आनंद पाठक, शैलेश लालन (एस.आर.यु.सी.सी., पश्चिम रेलवे), एड. अशोक मिश्रा, कामगार नेता विकास तिवारी, प्रमोद श्यामचरण पांडेय (युवा समाजसेवी), उत्तम पांडेय आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से प्रभाकर शुक्ला, प्रशांत चारी, विनयकुमार दुबे, गुरुजस यादव, पवनकुमार दुबे, पद्माकर सिंह व राजेश शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मुंबई में अभिनेत्री स्नेहा उल्लाल ने दिलशाद एस. खान सहित कई हस्तियों को किया सम्मानित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शहर में कला, फैशन और सामाजिक सरोकारों को समर्पित एक भव्य समारोह का आयोजन शुक्रवार को मुंबई के प्रतिष्ठित मेयर हॉल में किया गया, जिसमें रैंप वॉक और अवॉर्ड शो ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं बॉलीवुड अभिनेत्री स्नेहा उल्लाल, जिन्होंने मंच पर अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों को सम्मानित किया। इस आयोजन की शुरूआत एक संगीतमय माहौल के साथ हुई, जिसके बाद कई प्रतिभाशाली मॉडल्स ने रैंप पर अपने आकर्षक अंदाज में वॉक कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के दौरान फैशन, फिल्म, पत्रकारिता और समाजसेवा जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में प्रमुख रूप से दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय एल. दुबे, मशहूर अभिनेता अली खान, गिरीश थापर, अभिनेता फय्याज खान और नवाब खान शामिल रहे। सभी को अभिनेत्री स्नेहा उल्लाल के हाथों अवॉर्ड प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन कुशल एंटरटेनमेंट की ओर से अंजलि पटेल द्वारा किया गया, जिसमें शैलेश पटेल और अंजलि पटेल के संयोजन और अध्यक्षता में कार्यक्रम को सफल बनाया गया। आयोजन में विशेष सहयोग रामकुमार पाल, देवदास ग्रुप आफ कंपनी, परी क्रिएशन, दै. मुंबई हलचल के संपादक दिलशाद एस. खान, कोहिनूर इवेंट्स आदि संगठनों का रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फैशन इंडस्ट्री से जुड़े लोग, मीडिया प्रतिनिधि और दर्शक मौजूद रहे। यह कार्यक्रम न सिर्फ मनोरंजन से भरपूर रहा, बल्कि समाजसेवा और प्रतिभा को सम्मान देने की दिशा में भी एक सराहनीय पहल साबित हुआ।

विधायक राजेश मोरे के फंड से रास्तों की मरम्मत का काम सुरु

शहर प्रमुख सीपी मिश्रा ने विधायक राजेश मोरे का आभार प्रकट किया

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व के नांदिवली स्थित 50-50 ढाबा के पीछे समृद्धि गार्डन सोसायटी की आंतरिक रास्तों की हालात बेहद खराब हो चुकी थी बरसात के कारण परिसर में कीचड़ और गंदगी फैली हुई थी। स्थानिक नागरिकों को कीचड़ वाले रास्तों से होकर गुजरना पड़ रहा था। स्थानिक नागरिकों की समस्या को देखते हुए शिंदे सेना के उत्तर भारतीय सेल के शहर प्रमुख सीपी मिश्रा ने कल्याण ग्रामीण के विधायक राजेश मोरे को पत्र लिखकर रास्तों की मरम्मत करने का अनुरोध किया। जिसका संज्ञान लेते हुए शिवसेना शिंदे गुट के

विधायक राजेश मोरे ने गिट्टी डालकर गड्ढों को भरने की तत्काल व्यवस्था की है। फिलहाल 50-50 ढाबा के पीछे जहां-जहां गड्ढों की वजह से रास्तों की अवस्था दयनीय बनी हुई है वहां गिट्टी डालकर गड्ढें बंद करने का काम युद्ध स्तर पर जारी है, जिसके चलते स्थानिक नागरिकों को बरसात के कारण आने-जाने में ज्यादा दिक्कतों का सामना करना नहीं पड़ेगा। यही कारण है कि स्थानिक नागरिकों ने शहर प्रमुख सीपी मिश्रा और विधायक राजेश मोरे का आभार प्रकट किया है।

द यश मंगलम शो की नई लघु फिल्म डॉक्टरों की सेवा भावना को समर्पित

मुंबई (उत्तरशक्ति)। इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर पिछले दिनों जारी विभिन्न काव्यात्मक वीडियो को मिली निरंतर सफलता के बाद लोकप्रिय द यश मंगलम शो की नवीनतम कड़ी के रूप में लघु फिल्म सेहत के रखवाले का लोकार्पण राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस की पूर्व संध्या पर सोमवार, 30 जून, 2025 को देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में किया गया। इस लघु फिल्म में डॉक्टरी पेशे की सेवा भावना और समर्पण के जज्बे को महिमा मंडित करते हुए तहे दिल से सलाम किया गया है।

एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत वाइब्रेशन मीडिया वर्क्स, मुंबई द्वारा ए महतपुरकर एंड मंगलम वेंचरर्स के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म सेहत के रखवाले पूरी दुनिया में बेहद लोकप्रिय हो चुके सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण चैनल द यश मंगलम शो-2025' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है। इससे पहले इस लोकप्रिय शो की धरोहरः ए पोएटिक सागा, शिल्पकारऔर योगा रिट्रीट जैसी प्रभावशाली कड़ियॉ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं। इस शो के जोशीले प्रस्तुतकर्ता यश मंगलम हैं। इस नवसृजित एलबम के प्रोड्यूसर बॉलीवुड के सुप्रसिद्ध फिल्मकार फुरकान कुरैशी हैं, जिन्होंने एसोसिएट प्रोड्यूसर के रूप में कई लोकप्रिय और सुपरहिट फिल्मों में अद्भुत कामयाबी हासिल की है। वीडियो के कुशल निर्देशन एवं सटीक एडिटिंग का कार्य मशहूर निर्देशक अनुपम मंगलम द्वारा किया गया है तथा भावपूर्ण संगीत समीर पखाले ने दिया है। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें डॉक्टरी पेशे के महत्व और विभिन्न पहलुओं को बखूबी पिरोया गया है। उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर के लिखे 6 काव्यात्मक वीडियो पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुके हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम वीडियो सेहत के रखवाले के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है। इस नवसृजित वीडियो में वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके और कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम द्वारा सुनिश्चित की गई है। पोस्ट प्रोडक्शन वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई ने किया है। उल्लेखनीय है कि हर साल 1 जुलाई को भारत रत्न डॉ. बिधान चंद्र रॉय की जयंती और बरसी के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस मनाया जाता है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष लघु फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस लघु फिल्म की शुरूआती पंक्तियॉ कुछ इस तरह रची गई हैं :-

*ये देवदूत अद्भुत बनकर लोगों की जान बचाते हैं, ये धवल वस्त्र के जननायक जीवन को स्वस्थ बनाते हैं, मानवता की सेवा जो करते रहते सुबहो-शाम..! सेहत के इन रखवालों को आओ, दिल से करें सलाम..!

शिवसैनिक पर महिला से छेड़छाड़ करने का मामला दर्ज, पुलिस पर भड़के विधायक

- पूर्व नगर सेवक है मोहन उगले जिनपर महिला ने किया आरोप
- मोहन उगले पुराना शिवसैनिक है – क्रिमनल नही

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में शिवसेना शिंदे गुटके पूर्व नगर सेवक मोहन उगले पर एक महिला के साथ छेड़खानी किए जाने का मामला दर्ज हुआ था । इस प्रकरण में शिंदे सेना के विधायक विश्वनाथ भोईर ने मीडिया के सामने आकर पुलिस के काम करने के तरीके पर सवाल उठाया है ।

विधायक ने कहा कि महिला की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत ही मोहन उगले पर केस दर्ज कर लिया । जबकि उन्हें केस दर्ज करने से पहले एक बार फोन पर भी बात कर सकते थे । मोहन उगले कोई क्रिमनल नही है । बल्कि जनता के प्रतिनिधि है । अनेको वर्षो से शिवसेना पक्ष के लिए काम करते आ रहे है। ऐसे में पुलिस को मामला दर्ज करने से पहले निष्पक्ष जांच करनी चाहिए थी। विधायक ने कहां की इस मामले की सारी सच्चाई सामने आनी चाहिए। विधायक भोईर ने मांग की है कि इस प्रकरण की कड़ी से कड़ी जांच करने के बाद मोहन उगले या फिर शिकायत कर्ता महिला जो कोई भी दोषी है उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। जिससे भविष्य में गलत तरीके का मामला दर्ज करने कराने वालों को भी कानून का डर रहना चाहिए।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ग्राहकों के लिए किया इंडिया का विशेष ओनरशिप सर्विस कैंप शुरू

मुंबई। किया इंडिया ने अपने ग्राहकों को बेहतरीन सेवाएं और प्रीमियम ओनरशिप अनुभव देने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए देशभर में ओनरशिप सर्विस कैंप की शुरूआत की है। यह सर्विस कैंप 1 जुलाई 2025 तक जारी रहेगा और देश के 329 शहरों में फैले 445 अधिकृत सर्विस वर्कशॉप्स में आयोजित किया जाएगा। यह पहल ब्रांड की ग्राहकों के प्रति सेवा और भरोसे को और सुदृढ़ करती है।

इस सर्विस कैंप में ग्राहकों के लिए विशेष सेवाओं और बेहतरीन ऑफर्स का प्रावधान है, जो न सिर्फ गाड़ियों की परफॉर्मेंस को बेहतर बनाएगा बल्कि ओनरशिप अनुभव को भी शानदार बनाएगा। इस सप्ताह भर चलने वाले कैंप के दौरान, किया कार मालिकों को 36-पॉइंट्स का निःशुल्क व्यापक वाहन स्वास्थ्य जांच दी जाएगी। इसमें एक्सटीरियर, इंटीरियर, इंजन कम्पार्टमेंट, अंडरबॉडी और ऑन-रोड परफॉर्मेंस का गहन निरीक्षण शामिल है।ग्राहकों के अनुभव को और अधिक मूल्यवान बनाने के लिए कैंप में आकर्षक ऑफर्स भी दिए जा रहे हैं। इनमें कार केयर सेवाओं पर 20% तक की छूट, एक्सटेंडेड वारंटी पैकेज पर 10% तक की छूट, रोडसाइड असिस्टेंस प्लान्स पर 10% की छूट, पार्ट्स और लेबर पर 10% की छूट, किया जेन्युइन एक्सेसरीज पर 10% की छूट आदि शामिल हैं। किया इंडिया अपने कस्टमर फोकस्ड इनिशिएटिव्स को और मजबूती देते हुए एक विशेष 3+2 साल का रोडसाइड असिस्टेंस पैकेज भी ऑफर कर रही है। यह ऑफर उन ग्राहकों और उनके रेफरल्स के लिए है, जो इस कैंप के दौरान सफल रेफरल करते हैं। इसके साथ ही, एक्सचेंज बोनस और विशेष रूप से तैयार किया गया एक्सेसरी पैकेज भी उपलब्ध है।

किया इंडिया के चीफ सेल्स ऑफिसर, श्री जूंसू चो ने इस मौके पर कहा, ह्लग्राहक संतुष्टि किया के ब्रांड एथोस के केंद्र में है। इस तरह की पहल, जैसे कि ओनरशिप सर्विस कैंप, हमारे ग्राहकों के साथ मजबूत और भरोसेमंद रिश्ते बनाने की दिशा में हमारा एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वामीः शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

वाराणसी में अग्निवीरों की आज से लिखी जाएगी किस्मत

10 जुलाई तक चलेगी परीक्षा, 12 जिलों के अभ्यर्थी लेंगे भाग

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में आज से सेना में अग्निवीर के लिए लिखित परीक्षा शुरू होगी। वाराणसी समेत पूर्वांचल के 12 जिलों के 58646 अभ्यर्थी लिखित परीक्षा में शामिल होंगे। रोजाना चार पालियों में होने वाली परीक्षा क्रमशः 10 जुलाई तक चलेगी।

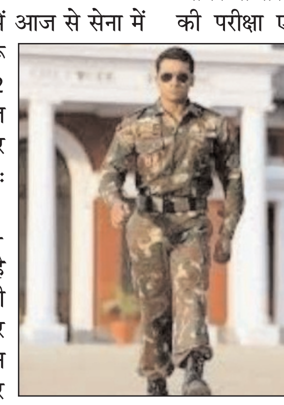

सहूलियत के लिए तीन अलग-अलग जिलों में बनाया गया है सेंटरः अग्निवीर के लिए इस बार बड़ी संख्या में आए आवेदन पत्रों और अभ्यर्थियों की सहूलियत के लिए तीन जिले वाराणसी, गोरखपुर और गाजीपुर में कुल 15 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। वाराणसी में 06 और गोरखपुर में 06 और गाजीपुर में 03 परीक्षा सेंटर बनाए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के मद्देनजर सेना के जवान तैनात कर दिए गए है। जहाँ पर वाराणसी में परीक्षा केन्द्रो के नाम एस प्रकार है,– देवा महाविद्यालय, पूर्वोदय महाविद्यालय में, आईएचएनसी महावीर मंदिर में, आईओएन डिजिटल जोन आईडीजेड आयर बाजार और घनश्याम डिग्री कालेज। प्रत्येक पाली की परीक्षा एक घंटे की होगी। 60 मिनट में 50 बहुवैकल्पिक सवालों के जवाब देने होंगे। 13 अलग-अलग भाषाओं में होगी परीक्षा, जिसमें हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, मलयालम, तमिल, तेलगु, कन्नड़, पंजाबी, मराठी, गुजराती, बंगाली और असमी भाषा में अभ्यर्थी परीक्षा दे सकेंगे। ऐसा पहली बार हुआ है जब क्षेत्रीय भाषाओं में परीक्षा होगी।

02 पदों पर आवेदन का मौकाः इस बार अग्निवीर में दो पदों पर भर्ती के लिए रजिस्ट्रेशन का मौका दिया गया है। जनरल ड्यूटी के साथ ही तकनीशियन के पद के लिए आवेदन मांगे गए। इस वजह से पिछली बार की तुलना में 9078 अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं।

सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक शैलेश कुमार ने बताया कि इस बार सर्वाधिक गाजीपुर से 11 हजार 401 रजिस्ट्रेशन हुए जबकि सबसे कम आवेदन 358 सोनभद्र जिले से आए। 12 जिलों के युवाओं को सेना ने अपनी किस्मत आजमाने का दिया है मौका।

खनन माफिया की करतूत

मिट्टी इतनी उठाई कि कुआं जमीन से 20 फीट ऊपर झूलने लगा

आसमान में टंगा कुआं और जमीर झकझोरती खामोशी

जलालपुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले के जलालपुर क्षेत्र के केरांव गांव में एक हैरान कर देने वाला दृश्य सामने आया है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरें और वीडियो में एक कुआं अब धरती पर नहीं, बल्कि जमीन तल से करीब 20 फीट ऊपर दिखाई दे रहा है। यह दृश्य न केवल आंखों को चौंकाता है, बल्कि व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

बताया जा रहा है कि यह स्थिति अंधाधुंध मिट्टी खनन के कारण उत्पन्न हुई है। कुएं के चारों ओर की मिट्टी को इस कदर निकाला गया कि अब वह कुआं हवा में झूलता प्रतीत होता है। हालांकि दैनिक जागरण वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता, लेकिन स्थानीय लोग इस स्थिति को खनन माफिया की लूट और सरकारी तंत्र की निष्क्रियता का नतीजा बता रहे हैं।

जमीन से उठता कुआं, प्रशासन की चुप्पीः स्थानीय निवासी रामाश्रय के अनुसार, रात 9 बजे से सुबह 4 बजे तक लगातार मिट्टी की खुदाई होती है। उनका घर खनन स्थल से महज 50 मीटर दूर है। उन्होंने बताया कि रातभर जेसीबी और ट्रैक्टरों की आवाज से सोना मुश्किल हो गया है, लेकिन गांव का प्रधान भी मौन है।वहीं गांव की एक अन्य निवासी, शांति, ने बताया कि उनके खेत से सटी बंजर सरकारी जमीन की भी मिट्टी माफियाओं द्वारा निकाल कर बेच दी गई है।

पुलिस कार्रवाई केवल दिखावा ?: डॉ.अकिल अहमद, जिन्होंने गांव में एक बीघा जमीन खरीदी है, ने बताया कि कुछ माह पूर्व एक रात चार-पांच जेसीबी और दस से पंद्रह ट्रैक्टर-डंपर उनकी जमीन पर खनन करने लगे। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी, पुलिस आई भी और एक ट्रैक्टर को जब्त किया, लेकिन कुछ ही घंटों में बिना किसी कानूनी कार्रवाई के उसे छोड़ दिया गया।

डॉ.अकिल का कहना है कि उन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत एसपी, डीएम और खनन विभाग से की, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। निराश होकर वे अब न्याय की उम्मीद छोड़ चुके हैं। उनके मुताबिक, माफिया उनकी जमीन से करीब चार लाख रुपये की मिट्टी निकाल कर ले गए।

संरक्षण की कमी, लालच की पराकाष्ठाः यह कुआं कभी गांव के लिए जल का मुख्य स्रोत था, लेकिन आज वह खुद प्यासा और बेसहारा है। खनन माफिया की लूट की भूख इतनी बढ़ गई है कि न जल संरक्षण की परवाह है, न पर्यावरण की चिंता। यह दृश्य केवल एक कुएं की कहानी नहीं, बल्कि उस संवेदनहीन तंत्र की तस्वीर है, जहां कायदे-कानून मुनाफे की राह में बाधा समझे जाते हैं।

सरायख्वाजा पुलिस ने शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

सरायख्वाजा,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा पुलिस द्वारा शादी का झांसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाने से सम्बन्धित 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता द्वारा तहरीर दी गयी कि हैप्पी यादव पुत्र शामले यादव निवासी लेदुका थाना बक्शा जनपद जौनपुर के द्वारा शादी का झाँशा देकर पाँच साल से शारिरिक सम्बन्ध बनाता रहा था वो जहाँ जहाँ बुलाता था वहाँ वहाँ जाती थी हर बात मानी मै उसकी जब मैने शादी करने के लिए कहाँ तो वह शादी करने से मना कर रहा है दिनांक-28-6-2025 को हैप्पी ने मुझे मारा पिटा और जान से मारने की धमकी दिया।गिरफ्तार का विवरण दिनांक-30.06.2025 को उ0नि0 बृजेश कुमार सिंह थाना हाजा से रवाना होकर देखभाल क्षेत्र मे मामूर थे कि थाना हाजा से हे0का0 रमेश सिंह , हे0का0 अरुण यादव को तलब कर देखभाल क्षेत्र रात्रिगश्त भ्रमण चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति/वाहन मे मामूर होकर मेडिकल कालेज सिद्दीकपुर मौजूद था कि मुखबीर खास ने आकर सूचना दिया गया साहब आप के मु0अ0सं0-394/2025 धारा-69, 115(2), 351(2) बी0एन0एस0 से सम्बन्धित वाँछित अभियुक्त हैप्पी यादव पुत्र शामले यादव नि0 लेदुका थाना बदलापुर जनपद जौनपुर सिद्दीकपुर तिराहा पर मौजूद है कही जाने के फिराक मे यदि जल्दि किया जाय तो पकडा जा सकता है मुखबीर खास की सूचना पर विश्वास कर उ0नि0 मय हमराह कर्मचारीगण व मुखबीर खास को साथ मे लेकर प्रस्थान कर सिद्दीकपुर तिराहा की तरफ चल दिये तिराहे से कुछ दूर पहले ही मुखबीर खास रोड के किनारे खडे व्यक्ति की तरफ इशारा कर बताकर चला गया तत्पश्चात मै उ0नि0 मय हमराह कर्मचारी के अपने को छिपछिपाकर जैसे ही उस व्यक्ति के पास पहुचे कि वह व्यक्ति हडबडा कर भागना चाहाँ तो मौके पर ही पकड़ लिया गया पकडे गये व्यक्ति का नाम पता पूछा गया तो अपना नाम हैप्पी यादव पुत्र शामले यादव नि0 लेदुका थाना बदलापुर जनपद जौनपुर जिसका थाना हाजा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-394/2025 धारा-69, 115(2), 351(2) बी0एन0एस0 से मिलान किया गया तो उक्त अभियोग से सम्बन्धित होना पाया गया जिसे उसके जुर्म धारा से अवगत कराते हुये नियमानुसार गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत मे लिया गया।

दुकान में आगजनी और मारपीट करने वाले तीन आरोपियों को घेराबंदी कर पुलिस ने किया गिरफ्तार

सुशील कुमार गुप्ता

सरायख्वाजा,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले में अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए सरायख्वाजा पुलिस ने मारपीट और आगजनी जैसे संगीन अपराध में वांछित तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा चलाए जा रहे। 24 घंटे के विशेष अभियान के तहत की गई। घटना 27 जून की रात करीब 9 बजे की है। ग्राम तरसावां निवासी रामराज अपनी मिठाई की दुकान बंद कर छोटे भाई सुबास चंद्र और बेटे सत्यम के साथ घर लौट रहे थे।तभी पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही सचिन, प्रिंस, साहिल और एक अन्य रवि यादव ने रास्ते में लाठी-डंडों से सुभाष व सत्यम पर हमला कर दिया।न सिर्फ उन्हें गंभीर रूप से घायल किया गया, बल्कि उनकी मोटरसाइकिल को तोड़ने के बाद हमलावरों ने मिठाई की दुकान में आग भी लगा दी, जिससे दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। हमले के बाद चारों आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।आज सुबह लगभग 5:45 बजे लपरी चौराहे पर रात्रि गश्त के दौरान प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह व उनकी टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि तीनों आरोपी कोइरीडीहा चौराहे पर मौजूद हैं। तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

मानसून की झमाझम बारिश से लोगों को राहत, मौसम हुआ सुहावना, किसानों के खिले चेहरे

आफताब आलम

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आखिरकार मानसून ने अपनी प्रभावी दस्तक दे दी है। कई दिनों से रुक-रुक कर हो रही झमाझम बारिश ने ग्रामीणों को चिलचिलाती गर्मी और उमस से बड़ी राहत दी है। मानीकलां और आस पास के ग्रामीण इलाकों में आसमान में घने बादल और लगातार गिरती बारिश की बूंदों ने मौसम को न सिर्फ खुशनुमा बना दिया है। बल्कि तापमान में भी उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। बारिश की वजह से मानीकलां बाजार में हल्का जलजमाव देखने को मिला, जिससे कुछ लोगों को असुविधा भी हुई, लेकिन इसके बावजूद लोगों के चेहरों पर राहत और सुकून साफ झलक रहा है। बारिश ने गर्मी से बेहाल लोगों को कुछ सुकून के पल दिए हैं। खासकर सुबह और शाम का मौसम बेहद सुहावना हो गया है। जिससे बाजारों और गलियों में भी चहल-पहल बढ़ गई है। इस बारिश ने किसानों के लिए तो उम्मीदों की नई किरण जगा दी है। लगातार बारिश से खेतों में नमी बढ़ी है। जिससे धान की रोपाई के कार्य में तेजी आएगी कृषि विशेषज्ञ भी इस वर्ष की अच्छी पैदावार की संभावना जता रहे हैं।

रोहनिया विधायक ने अभियान के तहत सैकड़ों लोगों को बनाया सक्रिय सदस्य

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। लखनऊ में आयोजित अपना दल एस पार्टी के संस्थापक डॉ सोने लाल पटेल की जयंती को सफल बनाने हेतु किया अपील। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के मड़ाव गांव में रविवार को विधानसभा अध्यक्ष बसंत लाल पटेल की अध्यक्षता में आयोजित चौपाल कार्यक्रम में रोहनिया विधायक डॉ.सुनील पटेल ने सक्रिय सदस्यता अभियान के तहत सैकड़ो लोगों को अपना दल एस की सदस्यता ग्रहण कराया। उन्होंने कहा कि 2 जुलाई को अपना दल यस के संस्थापक यशकायी डॉ सोने लाल पटेल की जयंती को व्यापक रूप से सफल बनाने हेतु लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम स्थल लखनऊ पहुंचने हेतु अपील किया। उन्होंने बताया कि पार्टी के कार्यकताओं और पदाधिकारियो के लखनऊ जाने हेतु विभिन्न कई वाहनों के अलावा हमारे द्वारा वाराणसी कैंट स्टेशन से ट्रेन की पांच बोगी बुकिंग कराई गई है। कार्यक्रम के संचालन पश्चिमी जोन अध्यक्ष दिनेश पटेल तथा धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रिय अध्यक्ष डॉ नरेंद्र पटेल ने की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से राष्ट्रीय सचिव युवा मंच अजीत पटेल, प्रदेश उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह सोनू, क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ नरेंद्र पटेल, जिलाध्यक्ष युवा मंच मानस सिंह, सुनीता पटेल महिला मंच विधानसभा अध्यक्ष, राजकुमार वर्मा, जोन अध्यक्ष आदर्श पटेल, चंद्रशेखर पटेल इत्यादि पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे।

पत्रकार संगठन के अध्यक्ष को बदनाम करने की कोशिश, संगठन ने सौंपा ज्ञापन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (पंजीकृत) के जिला अध्यक्ष तामीर हसन शीबू द्वारा एक क्लिनिक की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध की गई शिकायत के बाद अब लेडी डॉक्टर और उनके सहयोगी फेसबुक यूजर द्वारा उन पर पैसे मांगने का मनगढ़ंत आरोप लगाया गया है।

वरिष्ठ पत्रकार को बदनाम करने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति एवं डॉक्टर द्वारा निराधार तथ्यहीन अपमानजनक दुर्भावनापूर्ण प्रचार कर झूठे और भ्रामक पोस्ट किए गए।

बेबुनियाद आरोप लगाने वाली एक डॉक्टर व फेसबुक पर पोस्ट करने वाले पर हो कार्रवाई संगठन की मांग

क्या था आरोपः आरोप है कि उक्त डॉक्टर अपने क्लीनिक पर अवैध रूप से गर्भ गिरवाने का कार्य करती है उक्त सम्बद्ध में एक कुंवारी लड़की और डॉक्टर के बीच मोबाइल फोन से वार्ता का ऑडियो भी वायरल हुआ था।जिसके बाद डॉक्टर ने फेसबुक पर अपना वीडियो जारी कर तामीर पर पैसे लेने का आरोप लगाया था।

इसकी शिकायत राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की कमेटी द्वारा एसपी सिटी, जिलाधिकारी जौनपुर एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर को ज्ञापन सौंप कर डॉक्टर की जांच कर निष्पक्ष कार्रवाई करने की मांग की है। जिसमें उन्होंने उक्त लोगों से अपनी जान का खतरा भी जताया है।

क्या बोले अधिकारीः उक्त मामले में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर लक्ष्मी ने बताया कि मामले की जांच वह स्वयं कर रही है अगर क्लिनिक पर ऐसा कुछ होता पाया गया या नियम विरुद्ध क्लीनिक का संचालन हो रहा होगा तो उन पर कार्यवाही की जाएगी। वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है।

दर्जनों की संख्या में पहुंचे पत्रकारों ने डीएम कार्यालय पर ज्ञापन सौंपा एवं मांग किया कि उक्त क्लिनिक की संचालिका एवं उक्त व्यक्ति के ऊपर विधिक कानूनी कार्रवाई हो जिससे देश के चतुर्थ स्तंभ पत्रकारिता की गरिमा पर ठेस न पहुंचे एवं दर्जनों की संख्या में पहुंचे पत्रकारों ने कहा कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो आगे का आंदोलन तय किया जाएगा। उक्त अवसर पर प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश शर्मा मंडल अध्यक्ष राजेश कुमार गौतम, मंडल प्रभारी अमन विश्वकर्मा, जिला प्रभारी शशिकान्त मौर्य, स्वतंत्र कुमार, जिला उपाध्यक्ष इम्तियाज सिद्दीकी, संजय सिंह, इजहार हुसैन, जिला महा सचिव मनीष श्रीवास्तव, रियाजुल हक, राहुल गुप्ता, अनवर हुसैन, जिला सचिव रवि केसरी, सुजीत वर्मा, कलीम सिद्दीकी, विधिक सलाहकार अमित तिवारी, मोहम्मद अल्ताफ, मोहम्मद हारून, मड़ियाहूं तहसील अध्यक्ष रवि सिन्हा, गंगेश निगम, कपिल देव सिंह, हिमांशु विश्वकर्मा, अभिषेक, सिकंदर भारती, शाहगंज तहसील अध्यक्ष प्रतिनिधि चन्दन जायसवाल, शशांक शेखर, विजय उपाध्याय, शैलेन्द्र अग्रहरी, बदलापुर तहसील अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, संतोष कुमार, मछलीशहर तहसील अध्यक्ष विशाल गौतम, दीप नारायण, उपाध्याय इत्यादि पत्रकार मौजूद रहे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी मोहम्मद अरशद ने दी।

विद्यालय मर्ज की सूचना पर अभिवावकों ने जताया विरोध

महराजगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कम नामांकन वाले परिषदीय विद्यालय को बंद कर उस विद्यालय के बच्चों को नजदीकी परिषदीय विद्यालयों में मर्ज करने की नीति के विरोध में अभिभावकों ने सोमवार को बीआरसी कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने बीईओ रमेश चंद्र पटेल से विद्यालय को पेयरिंग किए जाने का विरोध करते हुए एकत्रित होकर प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से स्कूल बंद न करने की मांग की। अभिभावकों ने कहा कि ताजनपुर विद्यालय में ग्रामीण क्षेत्र के नौनिहाल छोटे बच्चे आते हैं। स्कूल को बंद कर गांव से डेढ़ किलोमीटर दूर कोइरीपुर गांव में मर्ज किया जाना उन्हें मंजूर नहीं है।अभिभावक छोटे बच्चो के लिए ठीक नहीं है। संतोष कुमार, ममता, सुषमा, जमीला ने कहा कि प्राथमिक विद्यालय राईपुर से राजेपुर लगभग एक किलोमीटर दूर है।रास्ता सही नहीं है बरसात के मौसम में आने जाने में बच्चों को दिक़्कतों का सामना करना पड़ेगा।इसी क्रम में में विद्यालय बेसार, सोनपुर, कैलवल, पूरा बलई सहित सात विद्यालय को मर्ज किए जाने से शाहरुख, राजेश, जमीला, प्रीती शीला सहित आदि अभिभावकों ने प्रदर्शन किया।इस बाबत बीईओ रमेश चंद्र पटेल ने कहा कि 50 से कम संख्या वाले विद्यालय को शाशन के आदेशानुसार मर्ज किया गया है।

शाहगंज में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग विभाग का छापा

कबूतरबाजों और विदेश भेजने के नाम पर वीजा एजेंटों में मचा हड़कंप

विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। विदेश भेजने के नाम पर मानव तस्करी और कबूतरबाजी की विदेश मंत्रालय से मिल रही शिकायतों के मद्देनजर सोमवार को जनपद की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग विभाग ने शाहगंज नगर सहित खेतासराय के विभिन्न इलाकों में कई जगहों पर छापे मारी की। नगर के तीन चार नाम ऐसे थे जिसकी लिस्ट विभाग के जौनपुर इंचार्ज के पास विदेश मंत्रालय से आया था। सत्यापन और अवैध तरीके से काम करने वाले वीजा एजेंटों के प्रतिष्ठानों और उनके ठिकानों पर विभाग पूरे दल बल के साथ छापेमारी की और कई वीजा एजेंटों से गहन पूछताछ की गई। बतातें चले की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग विभाग को पहले भी सूचना मिली थी की नगरऔर आस पास के क्षेत्रों में फर्जी वीजा एजेंट, नाबालिकों से वैश्यावृत्ति और बंधुआ मजदूरी जैसे काम होने की सूचना विभाग को मिल रही थी। इस सम्बंध में एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग के जिला इंचार्ज हरिनाथ भारती ने बताया की शाहगंज नगर और आसपास के क्षेत्रों में वीजा एजेंट अवैध तरीके से लोगों के विदेश भेजने के नाम पर ठगी और महिलाओं को विदेश भेजने की जानकारी मिली थी।जिसकी जांच पड़ताल हेतू पांच स्थानों चूड़ी मुहल्ला, घास मंडी चौक, आजमगढ़ रोड, रफीपुर एवं एक अन्य स्थान पर छापेमारी की गई है। कागजातों और इनके बैकग्राउंड की पड़ताल की जा रही है। फिलहाल खबर लिखे जाने कोई गिरफ्तारी नही हुई थी।उक्त मौके पर विभाग के हेड कांस्टेबल राम कृष्ण यादव, अखिलेश सिंह, राम दुलार सिंह, अभिनेष सिंह आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

आजमगढ़-वाराणसी राजमार्ग संबंधी मुआवजे के प्रकरण के निस्तारण को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में आजमगढ़-वाराणसी राजमार्ग संबंधी मुआवजे के प्रकरण के निस्तारण के सम्बन्ध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा अवगत कराया गया कि आजमगढ़-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के दौरान वर्ष 2013 से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही थी, किन्ही कारणों से किसानों तथा एनएचएआई के मध्य मुआवजे के निर्धारण को लेकर गतिरोध चल रहा था। उन्होंने कहा कि किसानों को न्यायोचित मुआवजा मिल सके इस हेतु तीन गांव का अभिनिर्णय किया जा चुका है तथा अन्य सभी गांवों में अभिनिर्णय की प्रक्रिया चल रही है, दोनो पक्षों को सुनते हुए न्यायोचित निर्णय किया जाएगा जिससे आने वाले समय में शीघ्र राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण किया जा सके तथा किसानों और एनएचएआई के मध्य जो गतिरोध है उसे समाप्त किया जा सके। लम्बित मुआवजे के प्रकरण के निस्तारण के लिए एनएचएआई और किसानों के मध्य कई बार बैठक कराया गया है और पूरे प्रकरण को उच्च अधिकारियों से भी अवगत कराया गया।

उन्होने कहा कि जो दर निर्धारित किया गया है अभिनिर्णय के पश्चात सम्पूर्ण धनराशि सम्बन्धित किसान के खाते में हस्तान्तरित कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का निर्देश है कि इसमें किसी भी बिचैलिए का हस्तक्षेप नही होना चाहिए। उन्होने सभी किसानों का आश्वस्त कराया कि उन्हे यथोचित मुआवजा दिया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जनहित के कार्यो को प्रत्येक अधिकारी गम्भीरता से लें यह राजमार्ग बन जाने से सभी किसानों, आमजनमानस को आवागमन में सुविधा होगी तथा उस क्षेत्र का तीव्र गति से विकास भी हो सकेगा।इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट सहित किसानगण उपस्थित रहे।

हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी गिरफ्तार

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सिंगरामऊ पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए गैर-इरादतन हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम हनुमान पाण्डेय पुत्र इन्द्र प्रसाद पाण्डेय है, जो ग्राम अनुसार, थाना सिंगरामऊ जनपद जौनपुर के निवासी है।प्रभारी निरीक्षक गजानन्द चौबे के निर्देशन में उपनिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद व पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र में चेकिंग एवं तलाश वांछित के दौरान मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। जिनके विरुद्ध थाना सिंगरामऊ में गैर-इरादतन हत्या के प्रयास के अंतर्गत मामला दर्ज है। पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मंदिर में किया कूलर भेंट

चिराना। निकटवर्ती तीर्थ स्थल लोहार्गल मार्ग स्थित गणेश मंदिर में शनिवार शाम प्रगतिशील कुमावत समिति संरक्षक डॉ.राजेंद्र कुमावत की उपस्थिति में उदयपुरवाटी निवासी रविन्द्र घोडेला व योगेश घोडेला ने अपने स्व.पिता सुखदेव घोडेला की स्वर्गवास स्मृति में एक कूलर गणेश मंदिर में भेंट किया है। जिसकी पूजा अर्चना कर मौजूद समिति अध्यक्ष प्रकाश प्रजापति ने रिसीव किया। इस दौरान मूलचंद बिंवाल, विक्की बड़चारिया व टैक्सी ड्राईवर उपस्थित रहे।

पटना में रिबेल्स फ्लाई प्रशिक्षण संस्थान का भव्य उद्घाटन

पटना (उत्तरशक्ति)। राजधानी पटना में युवाओं को विमान सेवा (एयर होस्टेस), आतिथ्य सत्कार (हॉस्पिटैलिटी) और अंग्रेजी भाषा का व्यावसायिक प्रशिक्षण देने वाले एक नए संस्थान रिबेल्स फ्लाई का सोमवार को भव्य उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में प्लुरल्स पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस अवसर पर पुष्पम प्रिया चौधरी ने कहा कि बिहार के युवाओं को यहां ही ऐसे कौशल विकास प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है, जिससे वे अन्य राज्यों में पलायन किए बिना अच्छे अवसर प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा, ॒आज के दौर में केवल हिंदी से काम नहीं चलता। अंग्रेजी भाषा का ज्ञान, व्यवहारिक दक्षता और सही मार्गदर्शन युवाओं के लिए बेहद जरूरी है। संस्थान के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी कुमार कन्हैया ने बताया कि संस्थान में युवाओं को विमान परिचारिका, अंग्रेजी संवाद, सॉफ्ट स्किल्स और अन्य पेशेवर कोर्सों में प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें। निदेशक राजू यादव ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य है कि बिहार के युवाओं को उनके राज्य में ही ऐसा माहौल और अवसर मिले, जिससे वे किसी भी प्रतियोगिता में पीछे न रहें। सह-निदेशक रौशन कुमार ने बताया कि संस्थान हर विद्यार्थी को गुणवत्ता प्रशिक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में कई शिक्षाविद्, अभिभावक और युवा छात्र-छात्राएं शामिल हुए। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और उत्साही माहौल के बीच संस्थान के उद्घाटन को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। ॑रिबेल्स फ्लाई॒ संस्थान का यह कदम बिहार में कौशल विकास की दिशा में एक सकारात्मक पहल मानी जा रही है।

पीलीभीत में एसएसबी जवान और उनके पुत्र की मौत

पीलीभीत - पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर सिमरा अकबरगंज टोल प्लाजा के पास ट्रक की टक्कर से गांव परसिया निवासी बाइक सवार एसएसबी जवान और उनके पुत्र की मौत हो गई। बाइक और पिता-पुत्र ट्रक में फंसकर काफी दूर तक घिसटते चले गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों के शव क्षत-विक्षत हो गए। हादसे का पता चलते ही घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस और परिजन भी आ गए। पुलिस ने शवों का पोस्टमॉर्टम कराया है। मौके पर किसी ने मोबाइल फोन से घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में ट्रक में फंसी बाइक घिसटती दिख रही है।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव परसिया निवासी ओमकार ने बताया कि उनका पुत्र वीरपाल (45) सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) में तैनात था। उसकी ड्यूटी पीलीभीत में चल रही थी। रविवार की शाम वह घर पर आए थे। सोमवार सुबह करीब 7:30 बजे ड्यूटी पर जाने के लिए शेरगंज रेलवे स्टेशन जा रहे थे। वीरपाल का पुत्र सुमित (18) उन्हें बाइक से स्टेशन छोड़ने जा रहा था। पीलीभीत-बीसलपुर मार्ग पर कस्बा टिकरी से पहले टोल प्लाजा के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से कुचलकर दोनों की मौत हो गई।

ट्रक में फंसकर बाइक और पिता-पुत्र काफी दूर तक घिसटते चले गए। हादसे के बाद चालक ट्रक छोड़कर भाग गया। सूचना मिलते ही परिजन और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर शवों की हाल देख लोगों का कलेजा कांप गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक कब्जे में ले लिया है। कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर ली जाएगी। सुमित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कक्षा 11 का छात्र था। हादसे से मृतकों के घर में कोहराम मचा है। वीरपाल के पिता ओमकार, मां रामबेटी, पत्नी शकुंतला देवी, पुत्र संदीप व अमित कुमार और भाई मुकेश कुमार का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के वक्त वहां मौजूद किसी ने घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में बाइक ट्रक के अगले पहिए के नीचे दबी बाइक घिसटती हुई दिख रही है। चालक ने काफी दूर जाकर ट्रक रोका और फरार हो गया।

टंकी पर चढ़कर वीडियो बना रहा था युवक, मधुमक्खियों ने बोला हमला

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पानी की टंकी पर चढ़कर वीडियो बनाना एक युवक को भारी पड़ गया। अचानक हुए मधुमक्खियों के हमले से युवक पानी की टंकी में कूद गया। पीआरवी की सक्रियता से काफी मशक्कत के बाद युवक को बचाया गया। सोमवार को एक युवक टंकी पर चढ़कर मोबाइल से वीडियो बना रहा था। इसी दौरान टंकी में मौजूद मधुमक्खियों ने घेर लिया। उनसे बचने के लिए युवक टंकी में भरे पानी में कूद गया। आसपास के लोगों ने देखकर तत्काल 112 पीआरवी को सूचना दी। पीआरवी की टीम मौके पर पहुंची और निकालने का प्रयास किया, लेकिन मधुमक्खियों के बड़ी संख्या में मौजूद होने के कारण दिक्कत आने लगी। बाद में ग्रामीणों के सहयोग से टंकी के नीचे धुआं कर मधुमक्खियों को भगाया गया, तब युवक को टंकी से बाहर निकाला जा सका। उसे कोन सीएचसी में भर्ती कराया गया है। युवक की पहचान खेतकटवा निवासी कौशल (18) के रूप में हुई। उसकी हालत खतरे से बाहर है। प्रभारी निरीक्षक संजीव सिंह ने बताया कि कौशल का इलाज चल रहा है।

शिक्षिका को सेवानिवृत्ति पर दी गई विदाई

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला के अंतर्गत महाराजगंज बोर्ड मिडिल मध्य विद्यालय, महाराजगंज की समर्पित एवं कर्मठ शिक्षिका सुश्री सुनीता कुमारी ने सफलतापूर्वक अपनी शैक्षणिक सेवा पूरा कर सेवानिवृत्ति ग्रहण की। उन्होंने अपने 30 वर्षों से अधिक के कार्यकाल में न केवल छात्रों को शिक्षा दी, बल्कि उन्हें संस्कार, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी का भी पाठ पढ़ाया।उनकी सेवानिवृत्ति पर विद्यालय में एक भावुक विदाई समारोह आयोजित किया गया, जहाँ छात्र-छात्राओं, शिक्षकगण एवं ग्रामीणों ने उन्हें ससम्मान विदाई दी। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ स्मृतिचिन्ह देकर सुनीता जी के योगदान को सराहा गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने कहा, सुनीता कुमारी एक आदर्श शिक्षिका रही हैं। उन्होंने विद्यालय को अपने परिवार की तरह संभाला और बच्चों के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाई। अपने सेवा काल में सुनीता कुमारी ने विशेष रूप से बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया। वे हमेशा छात्रों को आत्मनिर्भर, नैतिक और अनुशासित बनने के लिए प्रेरित करती रहीं। उनके योगदान को विद्यालय परिवार व क्षेत्रवासी लंबे समय तक याद रखेंगे।

अब जब वे सेवानिवृत्त हो चुकी हैं,तो उन्होंने समाज सेवा और बालिका शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत रहने की इच्छा व्यक्त की है। शिक्षा क्षेत्र को दिया गया उनका समर्पण सदा प्रेरणास्रोत बना रहेगा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद सेवानिवृत्त शिक्षक, हरेराम सिंह , धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, अशोक कुवर, शिक्षक प्रमोद कुमार सिंह, कुमार राज कूपर टीपू प्रशान्त कुमार ,आलोक कुमार, राज किशोर कुमार, मनिन्द्र कुमार पांडे, सीमा कुमरी, सुनीता कुमारी ,लालबदन देवी ,पम्मी कुमारी, जक्की कुमारी , जयप्रकाश, साथ ही सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

एड. शरीफ खान का कॉग्रेस पार्टी द्वारा सम्मान

मुंबई। मुलुंड के समाज सेवक,राजनेता शरीफ खान ने 50 वर्ष की आयु में कठिन परिश्रम एवम परिवार का भरण-पोषण करते हुए मुंबई विश्वविद्यालय से वकालत एल.एल.बी डिग्री हासिल किया है। पारिवारिक दायित्व के चलते 1991 में 8वीं पास करने के पश्चात पढाई छोडने के 26 साल बाद पढ़ाई की ललक उठी। 2017 में उन्होंनें एस.एस.सी.का फार्म भरा। और सेकंड क्लास पास हुए। 2019 में 12वीं में कामर्स से सेकंड क्लास उत्तीर्ण हुए। फिर पांच वर्ष पढ़ाई कर बी.एल.एस.एल.एल.बी. में फर्स्ट क्लास पास हुए। शरीफ खान समता हाकर्स युनियन के अध्यक्ष एवम महाराष्ट्र कांग्रेस उ.भा.सेल के सचिव हैं। उनकी उपलब्धि पर मुलुंड कांग्रेस द्वारा मुलुंड कॉलोनी स्थित कांग्रेस कार्यालय पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. आर. आर. सिंह, डॉ. बाबूलाल सिंह, राजन उठवाल, मोहनलाल राज, गणेश रावत,संतोष सिंह, विपुल गोगरी, फिरोज भाई, विनोद कजानिया, अनिल सिंह, भरत खटनहार, विजय देठे, किसान यवाते,मानबहादुर सिंह, जितेंद्र सिंह ठाकुर ने शाल एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर मिठाई खिला कर एड. शरीफ खान का सम्मान किया।

डीएम व एसपी की उपस्थिती में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता तथा पुलिस अधीक्षक डॉ0 कौस्तुभ की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सेंट पैट्रिक के पास सड़क चौड़ीकरण हेतु आकलन संबंधी प्रस्ताव उच्चाधिकारियों को प्रेषित किया जाए। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी के सामने फुट ओवरब्रिज बनाए जाने हेतु जिलाधिकारी की तरफ से प्रस्ताव भेजा जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनपद में सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन कराया जाए, लोगों को जागरुक किया जाए, डग्गामार वाहन न चलने पाए, इसके साथ ही अवैध बस/टैक्सी स्टैंड संचालित नहीं होने चाहिए। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया गया कि जनपद की सभी सड़के गड्ढा मुक्त होनी चाहिए, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी को निर्देशित किया कि ऐसे सड़कों को चिन्हित करते हुए तत्काल गड्ढे भरवाने का कार्य किया जाए। यातायात निरीक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि करीब 23 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए है। जिलाधिकारी ने ऐसे मार्गों पर सड़क सुरक्षा संबंधी कार्य कराने के निर्देश दिए, जिससे संभावित दुर्घटना को रोका जा सके।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सड़कों पर अनफिट वाहन नहीं चलने चाहिए। यह भी सुनिश्चित किया जाए कि विद्यालयों में भी अनफिट वाहन संचालित ना हो। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हमारा दायित्व है कि अभियान चलाकर वाहनों की चेकिंग कराई जाए, पुलिस प्रशासन द्वारा इसमें पूरा सहयोग किया जाएगा। गड्ढा मुक्ति का कार्य भी किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर पुलिस अधीक्षक आयुष श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

स्कूल का फुटबाल टर्फ हटाने के सिडको के निर्णय पर भड़के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी

बोरीवली, मुंबई। उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने क्रीड़ा व युवक कल्याण मंत्री संजय बनसोडे को पत्र लिखकर शहर व औद्योगिक विकास महामंडळ (सिडको) द्वारा स्वामी विवेकानंद शिक्षण सेवा संस्था, प्लॉट क्रमांक 18 (सेक्टर-5) उलवे के स्कूल मैदान पर निर्मित फुटबॉल टर्फ को हटाने के आदेश संबंधी नोटिस पर आश्चर्य प्रकट करते हुए इस विषय में शासन की ओर से योग्य कदम उठाने का आग्रह किया है। नरेंद्र मोदी 'खेलो इंडिया' उपक्रम के माध्यम से देशभर के विद्यार्थियों को खेलों में सहभागिता के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। जिसे देशभर के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों की ओर से उत्स्फूर्त प्रतिसाद भी मिल रहा है। इसके चलते हाल ही में भारत ने ओलिंपिक की विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर कुल 106 मैडल भी जीता है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि देश को गौरवान्वित करने वाली रही है। इससे देश भर के क्रीड़ा क्षेत्र के लिए आत्मविश्वास निर्मित हुआ है। इस पार्श्वभूमी में उपरोक्त स्कूल के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों ने स्वखर्च से जिस खेल सुविधा का निर्माण कराया है, सिडको का उस फुटबाल टर्फ को हटाने का निर्णय खेल और संस्कृती का विरोध करता हुआ और साथ ही विद्यार्थियों का नुकसान करने वाला निर्णय साबित होने जैसा चित्र सामने आया है। जनसेवक गोपाल शेट्टी के अनुसार शासन के सीएसआर फंड के माध्यम से स्कूलों को समुचित और अत्याधुनिक खेल सामग्री प्राप्त हो ऐसी सबकी अपेक्षा होने के परिदृश्य में सिडको द्वारा अपने इस रवैये से रुकावट डालना अत्यंत दुःखद है। इस प्रकरण की तत्काल जांच करवाकर संबंधित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए और फिर उस कार्रवाई की संपूर्ण जानकारी प्रसार माध्यम से सबको दी जाए ताकि इस तरह की कृति अन्यत्र स्थानों पर न होने पाए। जनसेवक शेट्टी ने पत्र में यह भी उल्लेख किया है कि 'मुझे यह जानकारी मिली है कि इस मामले में स्कूल के कुछ लोग संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर जानबूझकर ऐसी नोटिस जारी करवाते हैं और फिर संस्था पर आर्थिक समझौते के लिए दबाव डालते हैं। पत्र के अंत में जनसेवक शेट्टी ने मंत्री जी से आग्रह करते हुए कहा है कि 'सभी स्कूलों को खेल के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित करने वाला आदेश आपके विभाग द्वारा जारी किया जाना चाहिए।

अशोक गुप्ता बने साहू कल्याण समिति जौनपुर के नए अध्यक्ष

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। साहू कल्याण समिति (साहू क्लब) जौनपुर की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को साहू धर्मशाला सभागार में आयोजित हुई। जिसमें वर्तमान कार्यकारिणी के उपाध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता (रासमण्डल) को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया।

इस आशय का प्रस्ताव वर्तमान अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने सदन के समक्ष प्रस्तुत किया। जिसका सदन में उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से स्वागत करते हुए अपनी सहमति व्यक्ति की। तत्पश्चात नए चुने गए अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता ने सदन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साहू कल्याण समिति (साहू क्लब) जौनपुर विगत 30 वर्षों से समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करने का कार्य कर रही है, जिसके सुचारू रूप से संचालन के लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है। अतः निवर्तमान अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता को संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया।इस अवसर पर संस्था के पूर्व अध्यक्ष जयप्रकाश गुप्ता, अरविंद बैंकर, स्वतंत्र कुमार साहू, सतीश गुप्ता, महामंत्री संजय गुप्ता एडवोकेट, धर्मेंद्र प्रसाद गुप्ता गौराबादशाहपुर, संतोष साहू बच्चा, घनश्याम साहू, राजेश गुप्ता पत्रकार, धीरज गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, श्रीनाथ गुप्ता एडवोकेट, पवन साहू निर्मल वस्त्रालय, शिवकुमार गुप्ता लाइन बाजार, प्रदीप गुप्ता, सिद्धार्थ साहू, योगेश साहू, रमेश चंद गुप्ता बागमिया सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

वसई-विरार में कैंसर मोबाइल वैन की शुरूआत,नि:शुल्क जांच अब आपके दरवाजे

वसई। वसई विरार शहर नगर निगम ने राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य पहल की शुरूआत की है। अब 30 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को निःशुल्क कैंसर जांच सेवाएं उनके घर के समीप उपलब्ध कराई जा रही हैं, वह भी एक विशेष कैंसर मोबाइल वैन के माध्यम से। इस वैन के माध्यम से विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर और मौखिक कैंसर की जांच की जा रही है। यह पहल सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक सशक्त कदम है, जिसका उद्देश्य समय पर रोग की पहचान कर नागरिकों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराना है। इस जनजागरूकता अभियान के उद्घाटन अवसर पर वसई की लोकप्रिय विधायक स्नेहा दुबे पंडित विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उनके साथ इस कार्यक्रम में विभिन्न समाजसेवियों और जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें प्रमुख रूप सेः भक्ति चौधरी, उदय शेट्टी, राजू म्हात्रे, विजयेंद्र कुमार, प्रवीण गावड़े, केदारनाथ म्हात्रे, धर्मेंद्र मिश्रा, प्रमोद तिवारी, सुनील चनियाल, नितिन बोहिर, चंद्रकांत पाटिल, हषार्ली गावड़े, निशिकांत म्हात्रे, सी.बी. मिश्रा, रंजीत किनी, हरिहर पाटिल, संदीप पाटिल, शशिकांत म्हात्रे, अंजू भाई, अक्षय, तथा सुनील पांडे शामिल थे। कार्यक्रम के आयोजकों ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ लें और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति सजग रहते हुए समय पर जांच करवाएं।

महाराजगंज में केंद्रीय विद्यालय का सांसद ने किया उद्घाटन ,क्षेत्र के विद्यार्थियों को शिक्षा का मिलेगा उत्तम व्यवस्था

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिले के महाराजगंज में केंद्रीय विद्यालय की अस्थाई व्यवस्था के तहत शिक्षा का शुभारंभ गोरख सिंह कॉलेज में किया गया। इस विद्यालय का उद्घाटन सोमवार को संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह में महाराजगंज के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल, एसडीओ अनीता सिन्हा, गोरख सिंह कॉलेज के निदेशक डॉ. अभय कुमार सिंह, सहायक निदेशक वीणा सिंह, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य प्रमोद साहू सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्वलन और शिलापट्ट से पर्दा हटाकर किया। सोमवार को गोरख सिंह महाविद्यालय परिसर में केंद्रीय विद्यालय का अस्थाई संचालन भवन निर्माण तक किया जाएगा। सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने कहा कि इस महाविद्यालय परिसर में विद्यालय के संचालन से बच्चों को सुरक्षित वातावरण और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि जल्द ही केंद्रीय विद्यालय के लिए स्थायी जमीन उपलब्ध कराई जाएगी, जहां भवन का निर्माण किया जाएगा। उपायुक्त अनुराग भटनागर ने कहा कि वर्तमान में विद्यालय में कक्षा 1 से 5 तक की पढ़ाई होगी, और प्रत्येक वर्ष एक कक्षा बढ़ाई जाएगी। उन्होंने सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के प्रयासों की सराहना की और बताया कि विद्यालय शुरू कराने में प्रो. डॉ. अभय कुमार सिंह का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गोरख सिंह कॉलेज के निदेशक प्रो. डॉ. अभय कुमार सिंह ने कहा कि महाराजगंज केंद्रीय विद्यालय बंद होने के कगार पर था, लेकिन अब पुनः शुरू हो रहा है, जो क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अश्विनी कुमार, प्राचार्य मुरारी कुमार पांडेय, प्रो. अनिल कुमार सिंह, प्रो. विजय चौधरी, प्रो. जगदीश तिवारी, प्रो. धीरेंद्र कुमार सिंह, प्रो. ललन तिवारी, प्रो. मंजीत कुमार, प्रो. सत्य प्रकाश, प्रो. पुष्पा कुमारी सिंह, प्रो. शंकर प्रसाद सिंह, प्रो. मनोज कुमार, प्रो. संदीप तिवारी, डॉ. राजनाथ, प्रो. अर्चना कुमारी, भाजपा पूर्वी जिला अध्यक्ष रंजीत प्रसाद, नगर अध्यक्ष अमरजीत सिंह सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे। विद्यालय के चालू होने की खबर से अभिभावकों में हर्ष व्याप्त है। डॉ. मनोहर सौरभ, शेखर कुंदन, डॉ. संतोष कुमार, अधिवक्ता सौरभ कुमार, जाहिद हुसैन, पप्पु, मनीष तिवारी, नुरैन आलम और सुभाष कुमार ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय के चालू होने से वे अपने बच्चों को कम खर्च में बेहतर शिक्षा दिलाने का सपना पूरा कर सकेंगे। सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल के प्रयासों से महाराजगंज में श्री मौनिया बाबा मेला को राजकीय दर्जा, व्यवहार न्यायालय, रैक प्वाइंट, बंगरा गांव में शहीद सम्मान भवन जैसे विकासात्मक कार्य हुए हैं, जो क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक हैं।

स्मार्ट मीटर से उपभोक्ता हो रहे हैं जागरूक

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार में बिजली इस्तेमाल करने का तरीका धीरे-धीरे बदल रहा है। राज्य की वितरण कंपनियों द्वारा स्मार्ट मीटर लगाए जाने से कई घरों और छोटे व्यवसायों को रोजमर्रा में इसका सीधा फायदा मिल रहा है।

अब लोग जितनी बिजली खर्च कर रहे हैं, उसे ठीक से नाप पा रहे हैं और भुगतान की प्रक्रिया भी आसान हो गई है। पटना के पटेल नगर में कपड़ों की दुकान चलाने वाले अविनाश कुमार कहते हैं कि उनके दुकान में लगा स्मार्ट मीटर सब कुछ आसान बना रहा है। वे बताते हैं, ॑अब मैं देख सकता हूं कि कितनी बिजली खर्च हुई, कितना पैसा कटा और कब कटा।

बिल देखने के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है, सब कुछ यहीं सामने है। समस्तीपुर के रहने वाले अमित कुमार ने भी कुछ ऐसा ही अनुभव साझा करते हुए कहा कि, ॑पहले मुझे जानकारी के लिए इंतजार करना पड़ता था और मेरे पास ज्यादा कंट्रोल नहीं था। लेकिन अब सारी जानकारी पहले से मिल जाती है, कितना खर्च करना है, क्या बचाना है। पटना की रहने वाली डॉ. रेनू बाला, जो साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के तहत स्मार्ट मीटर लगाने वालों में सबसे पहले शामिल हुई थीं, समय पर अपडेट मिलने और भुगतान में आसानी को सबसे बड़ी सुविधा मानती हैं। राज्य में स्मार्ट मीटर लगाने का काम वितरण कंपनियों की अगुवाई में हो रहा है, लेकिन कई एजेंसियां, जैसे इंटेली स्मार्ट जैसे इम्प्लीमेंटेशन पार्टनर, इसे लागू करने और डिजिटल ढांचे को मजबूत करने में मदद कर रहे हैं। जैसे-जैसे डिजिटल सेवाएं रोजमर्रा की जिंदगी का बड़ा हिस्सा बनती जा रही हैं, स्मार्ट मीटर सिर्फ एक आधुनिक बिजली व्यवस्था नहीं बना रहे हैं

जेलेंस्की का बड़ा ऐलानः संधि खत्म, अब रूसियों को माफ नहीं करेंगे

यूक्रेन। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध अब और भी क्रूर और विध्वंसक दिशा में बढ़ता दिख रहा है। शनिवार और रविवार की रात रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे भीषण हवाई हमला किया। इस हमले के बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ओटावा कन्वेंशन से बाहर आने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस डिक्री पर हस्ताक्षर करते हुए राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहाः मैं 29 जून 2025 के यूक्रेनी राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के फैसले को लागू करने का आदेश देता हूं, जो हमें इस ऐतिहासिक संधि से बाहर लाने का रास्ता तैयार करता है ह्व इस आदेश को कानूनी प्रभाव में आने के लिए यूक्रेनी संसद की मंजूरी की आवश्यकता होगी, जिसके बाद इसे संयुक्त राष्ट्र को सूचित किया जाएगा। यूक्रेनी विदेश मंत्रालय ने इस फैसले को देश की आंतरिक सुरक्षा और क्षेत्रीय रक्षा से जोड़ा है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया यूक्रेन अपने नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। हम यह फैसला रूसी हमलों से अपनी धरती और लोगों को बचाने के लिए ले रहे हैं। यह एक कठिन लेकिन आवश्यक निर्णय है। यूक्रेनी सांसद रोमन कोस्टेंको ने कहा कि हमने यह कदम बहुत देर से उठाया है। रूस वर्षों से आम नागरिकों और सैनिकों के खिलाफ इन माइंस का उपयोग कर रहा है, अब हमें भी जवाब देना होगा। यह संधि 1997 में अस्तित्व में आई और इसमें 160 देश शामिल हुए। इसके तहत सदस्य देशों पर एंटी-पर्सनल माइंस के उत्पादन, उपयोग, भंडारण और हस्तांतरण पर पूर्ण प्रतिबंध होता है। इस संधि का मकसद युद्ध के दौरान और बाद में भी नागरिकों को इन छिपी हुई मौतों से बचाना है।

पाक आर्मी चीफ के भड़काऊ बयान पर भारत का दो टूक जवाब, कश्मीर और लद्दाख भारत के ही 'अभिन्न अंग'

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को एक ह्यवैध संघर्ष' बताते हुए कहा कि उनका देश कश्मीर के लोगों के संघर्ष में हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। फील्ड मार्शल मुनीर ने भारत को भविष्य में किसी भी हमले की स्थिति में ह्यकरारा जवाबह्व देने की चेतावनी भी दी। मुनीर ने शनिवार को कराची स्थित पाकिस्तान नौसेना अकादमी में पासिंग आउट समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ह्यह्यभारत जिसे आतंकवाद कहता है, वह वास्तव में स्वतंत्रता के लिए एक वैध और कानूनी संघर्ष है, जो अंतरराष्ट्रीय कानून द्वारा मान्यता प्राप्त है।''

उन्होंने दावा किया, जिन लोगों ने कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं को दबाने और समाधान के बजाय संघर्ष को खत्म करने की कोशिश की, उन्होंने अपने कृत्यों के माध्यम से इस आंदोलन को और अधिक प्रासंगिक बना दिया है।'' मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा कश्मीर के लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के संघर्ष में उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और कश्मीरी लोगों की आकांक्षाओं के अनुसार कश्मीर मुद्दे के न्यायोचित समाधान का प्रबल समर्थक है।'' अतीत में पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कश्मीर को पाकिस्तान की गले की नस'' बताया था। भारत ने पाकिस्तान से बार-बार कहा है कि केंद्र-शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर तथा लद्दाख ह्यह्यहमेशा उसके अभिन्न अंग थे, हैं और रहेंगे।''

भारत सरकार के पांच अगस्त 2019 को संविधान के अनुच्छेद-370 को निरस्त करने, जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने और राज्य को दो-केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास बढ़ गई। मुनीर ने दावा किया कि पाकिस्तान ने दो बार भारतीय सैन्य हमले का करारा जवाब देने के बाद खुद को विशुद्ध रूप से क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने वाले'' के रूप में साबित कर दिखाया। वह स्पष्ट रूप से पुलवामा आतंकी हमले के बाद 2019 के बालाकोट हमले और हाल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने दावा किया, गंभीर उकसावे के बावजूद पाकिस्तान ने संयम और परिपक्वता के साथ काम किया तथा क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए अपनी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, जिसके कारण पाकिस्तान ने विशुद्ध रूप से क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने वाले की भूमिका निभाई है।'' मुनीर ने कहा, जैसा कि हम लगातार, लेकिन निश्चित रूप से, अपनी व्यापक राष्ट्रीय शक्ति का निर्माण कर रहे हैं, वैसे में रणनीतिक दंड से मुक्ति या गलत अनुमान के भ्रम में पाकिस्तान की कथित कमजोरी का फायदा उठाने वाले किसी भी दुश्मन को त्वरित और बहुत ही करारा जवाब मिलेगा।'' पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कहा कि पाकिस्तान अपने विरोधियों के प्रयासों से विचलित हुए बिना प्रगति, विकास और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा। उन्होंने हर तरह के आतंकवाद को समाप्त करने के लिए सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता भी दोहराई और इस लड़ाई को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने का संकल्प लिया।

छुट्टी काटने घर आया था सेना का जवान, पत्नी ने दी ऐसी सजा पति की तड़प-तड़पकर मौत

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें पत्नी से सुलह की कोशिश में ससुराल पहुंचे एक फौजी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि फौजी को उसकी पत्नी ने कोल्ड ड्रिंक में जहर मिलाकर पिलाया, जिससे उसकी हालत बिगड़ गई और इलाज से पहले ही उसकी मौत हो गई। फौजी की मौत की खबर से गांव और परिवार में गहरा शोक है। ग्रामीण और परिजन इस घटना से स्तब्ध हैं और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। यह घटना अलीगढ़ जिले के टप्पल थाना क्षेत्र के गांव मथना कीलपुर की है। यहां के रहने वाले मेघश्याम सेना में कार्यरत थे। उनकी पत्नी से पिछले कुछ समय से घरेलू विवाद चल रहा था, जिसकी वजह से मामला अदालत में भी विचाराधीन था।

रविवार को मेघश्याम सुलह की मंशा से अपने बच्चों और पत्नी से मिलने ससुराल, गांव दओका पहुंचे थे। परिजनों का कहना है कि वहां उनकी पत्नी ने उन्हें कोल्ड ड्रिंक पिलाई, जिसके बाद उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। मेघश्याम ने तबीयत बिगड़ने पर अपने भाई को फोन किया और बताया कि पत्नी ने उसे जहर दिया है। यह फोन कॉल अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। तबीयत बिगड़ने पर मेघश्याम किसी तरह गांव जलालपुर पहुंचे, जहां से उन्हें परिवार वालों ने टप्पल के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पंडित आचार्य शांतिधर त्रिपाठी के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

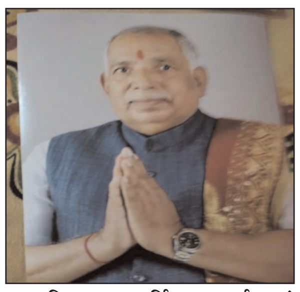

मुम्बई (उत्तर शक्ति)। पंडित कथा वाचक आचार्य शांति धर मुरली धर त्रिपाठी एक सरल सौम्या , विवेकवान , मृदु भाषी , विनम्र , ऊजार्वान व्यक्ति है। जिनका जन्मदिन दिनांक 29 जून 2025 को उनके निवास स्थान में बड़े धूमधाम से मनाया गया ।वह 72 वर्ष पूर्ण कर 73वें वर्ष में प्रवेश किए हैं। बता दें पंडित कथा वाचक आचार्य शांति धर मुरली धर त्रिपाठी मुंबई स्थित मुम्बादेवी मंदिर में मुख्य पुजारी थे अब वे सेवा निवृत्त हो चुकें हैं ।त्रिपाठी जी का पैतृक गांव उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर विकास खंड सुजानगंज पोस्ट मधुपुर, ग्राम बेरमॉव के मूल निवासी हैं। इस अवतरण दिवस पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती श्यामलता त्रिपाठी ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा , संपादक ओमप्रकाश प्रजापति , पत्रकार संजय मिश्रा बब्लू , रोहियांव निवासी संजय मिश्रा ने जन्मदिन पर आशिर्वाद प्रदान करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की । दैनिक उत्तरशक्ति चीफ ब्यूरो आचार्य पंडित दीनानाथ शुक्ला , दैनिक उत्तरशक्ति पत्रकार राजकुमार अग्रहरि , पत्रकार अवधेश मिश्रा रिक्की, दैनिक उत्तरशक्ति पत्रकार आनंदमिश्रा , राजेश वर्मा ने भी जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं । दैनिक उत्तर शक्ति संपादक ओम प्रकाश प्रजापति व दैनिक उत्तरशक्ति के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्र ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मृग के कस्तुरी की सुगंध के भांति , पंडित शांति धर त्रिपाठी आप की किर्ति की सुगंध चारों दिशाओं में फैले । मुंबई से के के मिश्रा (बच्चन मिश्रा) , समाज सेवक भरत शुक्ल, मुंबई पुलिस शिवप्रकाश मिश्रा ने भी जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

डंपर पलटने से ड्राइबर घायल, घटना के बाद ग्रामीणों ने की वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद बाईपास पर कोल्दीस्टोरे के पास एक ओवरलोड डंपर के पलटने से हादसा होने से बचा और ड्राइबर घयल हो गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए खनन वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की।बाईपास पर रविवार की रात में गांव कोल्डस्टोर के पास एक ओवरलोड डंपर के पलटने से भयावह हादसा होने से बाल बाल बचा । हादसे में ड्राइबर 55 वर्षीय रंजीत बुरी तरह घायल हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए ओवरलोड वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की।ओवरलोड मिट्टी से भरा हुआ डंपर बाईपास पर कोल्डस्टोरेज के के पास पहुंचा तो अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दौरान ड्राइबर गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तुरंत सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने जोरदार हंगामा किया।ग्रामीणों का आरोप है कि बाईपास पर दिनरात ओवरलोड मिट्टी की ढुलाई की जा रही डम्फर और ट्रैक्टर ओवरलोड रहते है मिट्टी से और तेज गति से चलाते है यह हादसा अगर दिन में होता तो बड़ी घटना हो सकती थी और ओवरलोड मिट्टी वाहनों की दिन-रात आवाजाही होती है, जिससे ऐसे हादसों का खतरा बना रहता है। उन्होंने इन वाहनों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी में बारिश से प्रसव कक्ष के सामने जलभराव

गर्भवती महिलाएं परेशान, प्रभारी का आवास भी डूबा

-डॉ.इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सोंधी में सोमवार को तेज बारिश के बाद प्रसव कक्ष के सामने इतना पानी भर गया कि गर्भवती महिलाओं और उनके परिजनों को कीचड़ व गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा।

स्वास्थ्य केंद्र के स्वीपर अली ने बताया कि हर साल बारिश में यही हालत होती है। फावड़ा चलाकर पानी निकालने की कोशिश करते हैं। लेकिन कुछ देर बाद फिर वही स्थिति बन जाती है। उन्होंने कहा कि प्रसव कक्ष में दवा और जांच के लिए आने वाली महिलाएं बेहद परेशान होती हैं। डॉ. सुधाकर चौहान, प्रभारी चिकित्साधिकारी, ने कहा नगर पंचायत में एक दो बार शिकायत की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इस बार भी आवास में पानी घुस गया है। आने जाने में स्टाफ और मरीजों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। हर साल यही हाल रहता है। कई बार आश्वासन मिला लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले साल भी जलभराव से मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा था, लेकिन विभागीय लापरवाही के चलते स्थिति जस की तस बनी हुई है।

नगर पंचायत पर उठ रहे सवाल

नगर पंचायत को कई बार शिकायत दी गई, साफ कराने और पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की गई। बारिश होते ही पूरे परिसर में कीचड़ और गंदगी फैल जाती है, जिससे संक्रमण फैलने का भी खतरा बना रहता है।

गर्भवती महिलाओं के परिजन का कहना है कि प्रसव कक्ष तक पहुंचने के लिए कीचड़ में फिसलने का डर रहता है। प्रसव जैसी संवेदनशील स्थिति में यह खतरा और बढ़ जाता है।

शिक्षक अखिलेश कुमार मौर्य का सेवानिवृत्त होने पर सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बृहन्मुंबई महानगरपालिका स्कूलों में 32 वर्ष 6 माह 16 दिन की सेवा के उपरान्त वरिष्ठ शिक्षक अखिलेश कुमार राजनाथ मौर्य का 28 जून 2025 को सेवा संपूर्ति सम्मान में स्कूल परिवार की ओर से मोतीलाल नगर म०न०पा० शाला सभागृह गोरेगांव पश्चिम मुंबई- 104 में भव्य समारोह का आयोजन किया गया। सभागृह में मौर्य के पत्नीसह प्रवेश करते समय पूनम यादव ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व उपशिक्षणाधिकारी अशोक मिश्र ने की। सम्मानित अतिथियों के रूप में अधीक्षिका निशा यादव, शिक्षक नेता नरेंद्र बहादुर सिंह व भाजपा नेता योगेंद्र सिंह , शिक्षक नेता के पी चौहान, वरिष्ठ पर्यवेक्षक दुर्गा प्रसाद मिश्र , तुलसीमानस हाईस्कूल से सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षक रामआसरे यादव व रामकुँवर यादव, पूर्व प्रधानाध्यापक चौहर्या शुक्ल, एम टी एन एल से सेवानिवृत्त कन्हैया मौर्य व रामबली मौर्य, महापौर पुरस्कृत प्रधानाध्यापिका प्रभजीत बेदी कौर , मोतीलाल नगर हिंदी स्कूल के प्रधानाध्यापक प्रकाश के नेताम उपस्थित रहे। प्रमुख वक्ताओं में साहित्यकार रामसिंह, बिजेंद्र सिंह, महापौर पुरस्कृत पूर्व वरिष्ठ शिक्षक सुनील सिंह, कवि व शिक्षक चंद्रकांत पाण्डेय, बहू डॉ अंगिता मौर्य ने अपने विचार रखे। शिक्षिका जयश्री लेकुरे ने अपने गाए गीतों से लोगों का मंत्र मुग्ध कर दिया। अधीक्षिका निशा यादव ने अखिलेश कुमार मौर्य की शैक्षणिक कार्य की सराहना करते हुए बताया कि श्री मौर्य सरल , कर्मठ, अपने कर्तव्य के साथ निष्ठावान होते हुए विज्ञान में परास्नातक होने से विज्ञान, गणित के साथ, शिष्यवृत्ति के छात्रों का मार्गदर्शन करते रहे तथा करोना के दौरान ऑनलाइन चल रही क्लास में बच्चों को भूगोल विषय को भी बखूबी व सरल तरीके से पढ़ाया। महापौर पुरस्कृत व पूर्व प्राधानाध्यापक ईश्वरदेव पाल द्वारा स्वलिखित मानपत्र का वाचन अमरदेव यादव ने किया। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन महापौर पुरस्कृत वरिष्ठ शिक्षक एवं शिक्षक सभा के महासचिव शरद सिंह ने किया। इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख लोगों में विभिन्न स्कूलों से आए शिक्षाविद, सेवानिवृत्त शिक्षक, श्री मौर्य के परिजन व रिश्तेदार , स्कूल स्टॉफ अरुण दुबे, प्रेमचंद्र सिंह, प्रेम बहादुर सिंह, चेतना लिल्हारे, सोमाली यादव, अय्यूब शेख,पूर्व वरिष्ठ खेल शिक्षिका दीप्ति राउत एवं चालधनी राजेंद्र यादव व स्कूल के बच्चे एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मानवाधिकार संरक्षण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित द्विवेदी का मुंबई में स्वागत

-आदेश मिश्र

मुंबई। मानवाधिकार संरक्षण संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित द्विवेदी के मुंबई आगमन पर उत्तर भारतीय मोर्चा मुंबई प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलाश पाठक ने अपने सहयोगी साथियों के साथ। राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित द्विवेदी का घाटकोपर वेस्ट के जय माता दी को आपरेटिव क्रे सो. कार्यालय में अंगवस्त्र एवं पुष्प कुछ भेंट कर जोरदार स्वागत किया। जिसमें साथ में जेएमडी ग्रुप के निदेशक हरीश पांडेय, मानवाधिकार संरक्षण संगठन के नवनियुक्त ईशान्य मुंबई जिला अध्यक्ष श्रीप्रकाश पाण्डेय, विमलेश दुबे,बुलेट सिंह, दिलीप गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नागरिकों की समस्याओं हेतु जन संवाद बैठक आयोजित

वसई। नायगांव में वार्ड समिति जी के अंतर्गत महाराजा हॉल द्वितीय तल डॉन बॉस्को स्कूल के सामने नायगांव पूर्व वसई में वसई-विरार नगर निगम प्रभाग समिति (जी) वसई पूर्व वालिव ने नागरिकों की समस्याओं को सुनने के लिए एक व्यापक जन संवाद बैठक आयोजित की। यह बैठक केवल संवाद तक सीमित नहीं रही बल्कि विकास की दिशा में एक ठोस कदम भी रही। बैठक में स्थानीय नागरिकों ने सड़क, जलापूर्ति, सफाई, स्वास्थ्य, परिवहन, स्कूल, अवैध निर्माण, बिजली की समस्या जैसे मुद्दों पर खुलकर मतदान किया। हर सवाल को गंभीरता से लिया और हर शिकायत के बयान को स्वीकार करते हुए हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई की जाएगी का वादा किया। इस बैठक में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के साथ वसई विरार शहर नगर निगम के उपायुक्त श्रीमति स्वाति देशपांडे, वसई विरार शहर नगर निगम के कार्यकारी अभियंता प्रकाश साटम, आयुक्त नीलेश म्हात्रे, महावितरण पेल्हार उपविभाग के उप कार्यकारी अभियंता मुकुंद देशमुख, जुचंद्रा प्रभाग के उप अभियंता विकास डांगे, प्र. शाखा अभियंता निर्माण विवेक चौधरी, प्र. शाखा अभियंता जल आपूर्ति केतन राऊत, वरिष्ठ स्वास्थ्य निरीक्षक विकास पाटिल, कनिष्ठ अभियंता दिवाबत्ती नितीश पाटिल, प्र. कर विभाग अधीक्षक राजेंद्र कदम, वरिष्ठ लिपिक निर्माण अनंत वीर, वरिष्ठ लिपिक अनाधिकृत निर्माण मनोज घरात, अतिक्रमण/चक्कर का लिपिक। प्रमोद बर्वे, प्र. शाखा अभियंता दिवाबत्ती मयूर पाटिल, नगरसेविका श्वेता माने, राजू म्हात्रे, मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी, केदारनाथ म्हात्रे, प्रवीण गावड़े, बिजेंद्र कुमार, गोपी मेनन, रितेश सत्यनाथ, विवेक भोसकर, धीरेंद्र कुलकर्णी, श्रीमती हषार्ली गांव। धर्मेंद्र मिश्रा, रंजीत किनी, चंद्रकांत पाटिल, विकास बरनवाल, अक्षय कदम और स्थानीय पदाधिकारियों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों और कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। वसई के हर नागरिक की आवाज वसई विधायक स्नेहा दुबे के लिए महत्वपूर्ण है। लोगों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन के माध्यम से तत्काल कार्रवाई की जाएगी। मेरी लड़ाई लोगों के लिए संघर्ष है और यह लगातार जारी रहेगी।

भारत के पहले एकीकृत क्वांटम और एआई-सक्षम वेलनेस सेंटर का उद्घाटन करेगी गायत्री एआई

मुंबई। बुद्धिमान और एकीकृत कल्याण में एक दूरदर्शी नेता, गायत्री एआई 7 जुलाई 2025 को मुंबई स्थित अंधेरी में अपनी अत्याधुनिक कल्याण सुविधा के भव्य उद्घाटन की घोषणा करते हुए गर्व महसूस कर रहा है। यह भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर है, जो क्वांटम डायग्नोस्टिक्स, एआई-संचालित एनालिटिक्स और गैर-इनवेसिव हीलिंग तकनीकों को एक छत के नीचे लाता है। मेटाट्रॉन एनएलएस, जेड-100 क्वांटम बायो-स्टिमुलेटर, टेस्ला चेयर, प्लाज्माहील एक्स4, क्यूआई कॉइल और उन्नत हाइड्रो-कोलन थेरेपी प्रणालियों जैसी विश्व स्तर पर प्रसिद्ध प्रौद्योगिकियों के अनन्य अधिकारों के साथ, गायत्री एआई वेलनेस सेंटर को वास्तव में समग्र वातावरण में व्यक्तिगत, निवारक और पूवार्नुमानित देखभाल प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। गायत्री एआई के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक धर्मप्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि गायत्री एआई में, हम हर व्यक्ति को अपनी सेहत की यात्रा की जिम्मेदारी लेने के लिए सशक्त बनाने में विश्वास करते हैं। उन्होंने आगे कहा, यह केंद्र उस दृष्टिकोण को मूर्त रूप देता है - जहाँ मानवीय विशेषज्ञता वैज्ञानिक नवाचार से मिलकर महत्वपूर्ण परिणाम देती है। गायत्री एआई की संस्थापक शोभना डीपी त्रिपाठी ने कहा कि स्वास्थ्य का मतलब सिर्फ.बीमारी का न होना नहीं है, बल्कि संतुलन, जीवन शक्ति और उद्देश्य की मौजूदगी है।उन्होंने आगे कहा, हमारा पारिस्थितिकी तंत्र उस यात्रा को सार्थक रूप से समर्थन देने के लिए प्रौद्योगिकी, अंतर्ज्ञान और करुणा को जोड़ता है।

श्री मोमाई प्रवाशी भजन मण्डल का वार्षिकोत्सव मना

मुंबई। श्री मोमाई प्रवासी भजन मंडल विगत कई वर्षो से मुंबई के लोकल ट्रेन में भजन करते आ रहा है। जिससे लोगों में एक नई ऊर्जा का संचार होता है। लोग काम से भाग दौड़ कर थकहार कर आते है और ईश्वर की स्तुति करते है। हर रोज लगभग42 वर्ष से पुरा करके 43 वर्ष में प्रवेश किया। उसके तहत वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। 27 जून 2025 को अषाढ़ी बीज रात को 8.24 की गाड़ी में वार्षिक उत्सव मनाया गया । मंडल के अध्यक्ष जगदीशभाई ब्रह्मभट्ट, मंडल के उपाध्यक्ष रामभाई गढ़वी, चेयरमैन विनुभाई शर्मा, मंडल के संस्थापक अध्यक्ष कीशोरभाई सोनी, वसतभाई प्रजापति, विनोदभाई दर्जी, विनय बारोट, योगेश जोशी, झमीर बारोट, प्रकाश प्रजापति, कान्तीभाई पित्रोडा, मनीष व्यास, हरेश रावल, रमेशभाई महाराज, शैलेष प्रजापति, बीपीनभाई दर्जी, किरीट रावल और शिवा जायसवाल भी इस कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे।

फेरीवाले राजनीतिज्ञों की उपेक्षा के शिकार हैं : बाबू भाई भवानजी

प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में लाखों लोग ऐसे हैं जिनके पास घर नहीं है। ये लोग गरीब होते हैं और होटल आदि में खाने की इनकी क्षमता नहीं होती है। ये लोग फेरीवालों का खाना खाकर अपना काम चलाते हैं। यदि फेरीवाले नहीं रहे तो लाखों गरीबों का भी मुंबई में रहना मुश्किल हो जाएगा।

इस समय शासन के सभी अंग फेरीवालों के खिलाफ हैं। फेरीवालों को अगर अपना अस्तित्व बचाना है तो उन्हें एकजुट होना होगा और एक बड़ा वोट बैंक बनना होगा। जो नेता और दल फेरीवालों का विरोध करे उसके खिलाफ एकजुट होकर उसे अपनी क्षमता दिखानी होगी। तभी जाकर फेरीवालों की समस्या का कुछ समाधान निकल सकता है।

बता दें कि मुंबई के फेरीवालों को इस समय कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बीएमसी (मुंबई नगर निगम) द्वारा फुटपाथों से फेरीवालों को हटाने की कार्रवाई और उनके लिए आवश्यक दस्तावेज न होने के कारण उनकी रोजी-रोटी पर संकट आ गया है। लंबे समय से फेरीवालों की लड़ाई लड़ने वाले मुंबई भाजपा हॉकर्स यूनिट के अध्यक्ष बाबू भाई भवानजी का कहना है कि कई फेरीवालों के पास डोमेसाइल (स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र) नहीं है, जिसके बिना उन्हें लाइसेंस नवीनीकृत करने में मुश्किल हो रही है ।कानूनी तौर पर लाइसेंस प्राप्त फेरीवालों की संख्या 10,360 है, लेकिन गैर-लाइसेंसधारी फेरीवालों की संख्या बहुत अधिक है, कुछ अनुमानों के अनुसार फेरीवालों की संख्या 300,000 से अधिक है। भवानजी ने बताया कि मुंबई, जिसे आर्थिक राजधानी कहा जाता है, में फेरीवालों के लिए आजीविका का संकट एक बड़ी चुनौती है। बीएमसी को फेरीवालों के पुनर्वास के लिए एक योजना बनानी चाहिए, ताकि उन्हें आजीविका के लिए सुरक्षित स्थान मिल सके। उन्होंने कहा कि फेरीवालों को आवश्यक दस्तावेज, जैसे डोमेसाइल, प्राप्त करने में मदद की जानी चाहिए। फेरीवालों के लिए एक कानूनी ढांचा बनाया जाना चाहिए, जिससे उनके अधिकारों की रक्षा हो सके और उन्हें बिना किसी डर के व्यापार करने की अनुमति मिले। भवानजी ने कहा कि अटल जी ने अपने समय में फेरीवाला कानून बनाया था लेकिन मुंबई मनपा उस पर अमल नहीं कर रही है। इसी प्रकार मोदी जी ने फेरीवालों से सहानुभूति रखते हुए उनके लिए मुद्रा लोन की व्यवस्था की थी। यदि इसी प्रकार सभी लोग फेरीवालों से सहानुभूति रखते तो यह मामला इतना गंभीर रूप धारण नहीं करता। उन्होंने कहा कि सारी समस्या मुंबई में ही है, अन्य शहरों में इस तरह की कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा

बॉलीवुड अदाकारा तब्बू द्वारा कल्याण ज्वैलर्स के नए शोरूम का शुभारंभ

नवी मुंबई। भारत के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद आभूषण ब्रांड में से एक कल्याण ज्वैलर्स ने रविवार 29 जून को शाम 5 बजे नवी मुंबई के नेक्सस सीवुड्स मॉल में अपना नया शोरूम लॉन्च किया। बॉलीवुड अदाकारा तब्बू ने इस शोरूम का उद्घाटन किया। यहाँ कल्याण ज्वैलर्स के विभिन्न संग्रहों से डिजाइन की विस्तृत श्रृंखला पेश की गई है। शोरूम लॉन्च के मौके पर भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। तब्बू का गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिससे माहौल और भी जीवंत हो गया और इस खास मौके की भव्यता को और अधिक बढ़ा दिया।

उत्साहित लोगों को संबोधित करते हुए, बॉलीवुड अदाकारा तब्बू ने कहा,ह्यकल्याण ज्वैलर्स के नए शोरूम के उद्घाटन के लिए आज यहां आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। कल्याण ज्वैलर्स का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए वाकई सौभाग्य की बात है, क्योंकि यह एक ऐसा ब्रांड है, जो विश्वास, पारदर्शिता और ग्राहक फोकस के मूल्यों में गहराई से यकीन करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे ग्राहक कल्याण ज्वैलर्स को गर्मजोशी से अपनाएंगे, न केवल असाधारण सेवा की बल्कि यहां की उत्कृष्ट सेवा और ज्वैलरी डिजाइनों की विविधता को जरूर सराहेंगे।

रमेश कल्याणरमन, कार्यकारी निदेशक, कल्याण ज्वैलर्स ने कहा, नवी मुंबई में अपने नए शोरूम के लॉन्च के साथ, हमारा लक्ष्य एक ऐसा बेजोड़ इकोसिस्टम बनाना है जो हमारे ग्राहकों की अनूठी आवश्यकताओं को पूरा करे और उनके शॉपिंग अनुभव को और बेहतर बनाए। हम लगातार विकसित होने के लिए प्रतिबद्ध हैं और विश्व स्तरीय माहौल प्रदान करते हुए हम कंपनी के विश्वास और पारदर्शिता के मूल मूल्यों के प्रति सच्चे रहते हुए अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ खरीदारी की पेशकश जारी रखेंगे। कल्याण ज्वैलर्स में, हम उच्च गुणवत्ता और बेहतरीन सेवा के साथ शानदार और अनोखे ज्वैलरी डिजाइनों की विस्तृत रेंज पेश करते रहेंगे।

इस शोरूम में कल्याण ज्वैलर्स के लोकप्रिय घरेलू ब्रांड भी उपलब्ध होंगे, जिनमें मुहूर्त (शादी के आभूषणों की श्रृंखला), मुद्रा (हस्तनिर्मित प्राचीन आभूषण), निमाह (मंदिर के आभूषण), ग्लो (डांसिंग डायमंड्स), जिया (सॉलिटेयर जैसे हीरे के आभूषण), अनोखी (बिना कटे हीरे), अपूर्वा (विशेष अवसरों के लिए हीरे), अंतरा (शादी के हीरे), हेरा (रोजाना पहने जाने वाले हीरे), रंग (कीमती पत्थरों के आभूषण) और हाल ही में लांच की गई लीला (रंगीन पत्थर और हीरे के आभूषण) शामिल हैं।